वर्ष : 33 ▸ अंक : 255 ▸ पृष्ठ : 8 ▸ मुंबई, रविवार, 1 दिसंबर 2024 ▸ RNI: MAHHIN/49994/91 ▸ मूल्य : 3 रुपए ▸ epaper.dobajedopahar.com ▸ संपादक : अरुण लाल

DBD
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है
दो बजे दोपहर
मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

AAP विधायक नरेश बाल्यान हिरासत में लिए गए, जबरन वसूली मामले में दिल्ली पुलिस की कार्रवाई

नई दिल्ली। AAP विधायक नरेश बालियान को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है। 2023 के कथित जबरन वसूली मामले में अपराध शाखा द्वारा उनसे पूछताछ की जा रही है। नरेश बाल्यान को इस केस में दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच जल्द ही गिरफ्तार करेगी। दिल्ली पुलिस अधिकारिक रूप से इस बारे में मीडिया से जानकारी साझा करेगी। इससे पहले इस केस को दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल देख रही थी। इससे पहले, भाजपा के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और प्रवक्ता गौरव भाटिया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि इनके सबसे बड़े समर्थक गैंगस्टर हैं। एक एमएलए वसूली का रैकेट चला रहा है। नरेश बाल्यान वसूली एमएलए हैं। गैंगस्टर के साथ बातचीत कर रहे हैं। ऐसा व्यवहार है कि एक माता के दो भाई। भाजपा ने आरोप लगाते हुए आगे कहा कि एमएलए ने कहा कि फलाना बिल्डर से पैसे वसूल लें।

सीएम सस्पेंस बरकरार

महाराष्ट्र में 5 दिसंबर को शपथ ग्रहण, शिंदे की तबीयत बिगड़ी

धीरज सिंह | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का रिजल्ट आए 7 दिन बीत चुके हैं। भाजपा, शिवसेना शिंदे और NCP अजित पवार गुट यानी महायुति ने 288 में से 230 सीटें जीतीं, लेकिन अब तक शपथ पर सस्पेंस बना हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, एकनाथ शिंदे डिप्टी CM का पद लेने को तैयार हैं, लेकिन गृह मंत्रालय पर अड़े हुए हैं। 29 नवंबर को शिंदे दिल्ली में गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद मुंबई लौटे और सभी कार्यक्रम रद्द कर अपने गांव सातारा निकल गए। गांव में उनकी तबीयत बिगड़ गई है। मुंबई से डॉक्टरों की टीम पहुंची है। इस बीच, भाजपा विधायक दल की बैठक भी दो दिन आगे बढ़ गई है। सूत्रों के मुताबिक, 1 दिसंबर को होने वाली बैठक अब 3 दिसंबर को होगी। इस दिन दिल्ली से दो ऑब्जर्वर मुंबई आएंगे और विधायकों से चर्चा के बाद आधिकारिक रूप से CM फेस अनाउंस करेंगे। उधर, भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने बताया कि संघ से हरी झंडी मिलने के बाद CM पद के लिए देवेंद्र फडणवीस का नाम फाइनल कर दिया गया है। शपथ ग्रहण 5 दिसंबर को दोपहर 1 बजे मुंबई के आजाद मैदान में होगा। शिवसेना और NCP की ओर से एक-एक डिप्टी CM भी शपथ लेंगे।

गृह और वित्त मंत्रालय पर बात अटकी

शिंदे सरकार में डिप्टी CM देवेंद्र फडणवीस के पास ही गृह मंत्रालय था। वो इस मंत्रालय को छोड़ना नहीं चाहते हैं। वहीं शिंदे गुट का तर्क है कि अगर डिप्टी CM का पद हमें मिल रहा है तो गृह मंत्रालय भी उन्हें ही मिलना चाहिए। शाह के साथ बैठक में भी इसका हल नहीं निकल पाया। पहले गृह मंत्रालय देवेन्द्र फड़णवीस के पास था। इसलिए फड़णवीस किसी भी हालत में गृह मंत्री का पद छोड़ने को तैयार नहीं हैं। माना जा रहा है कि इस विवाद के चलते शाह की बैठक में कैबिनेट गठन पर कोई समाधान नहीं निकल सका। एक्सपर्ट्स भी मानते हैं कि बीजेपी गृह मंत्री का पद कभी हाथ से नहीं जाने देगी। सूत्रों के मुताबिक, शाह से चर्चा के बाद भी विभागों को लेकर गठबंधन में खींचतान मची हुई है। भाजपा गृह, राजस्व, उच्च शिक्षा, कानून, ऊर्जा, ग्रामीण विकास अपने पास रखना चाहती है। उन्होंने शिवसेना को हेल्थ, शहरी विकास, सार्वजनिक कार्य, उद्योग ऑफर किया है। वहीं NCP अजित गुट को वित्त, योजना, सहयोग, कृषि जैसे विभाग देने की पेशकश की है।

शिवसेना ने कहा - बड़ा फैसला लेंगे

▸ शिंदे इस बीच शिवसेना विधायक संजय शिरसाट ने कहा- शिंदे को जब भी कोई बड़ा फैसला लेना होता है तो वे अपने पैतृक गांव चले जाते हैं। वे जल्द ही कोई बड़ा फैसला ले लेंगे। इससे पहले शिरसाट ने कहा था कि मुझे नहीं लगता कि शिंदे डिप्टी CM का पद स्वीकार करेंगे। शिवसेना के कुछ नेताओं का कहना है कि महायुति को इतनी बड़ी जीत शिंदे की अगुआई में मिली, इसलिए बिहार की तर्ज पर उन्हें मुख्यमंत्री होना चाहिए। बिहार में जदयू की कम सीटें हैं फिर भी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हैं। वहीं, पार्टी के कुछ नेताओं का मानना है कि शिंदे को डिप्टी CM बनना चाहिए।

▸ देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजित पवार, NCP सांसद प्रफुल्ल पटेल और सुनील तटकरे ने गुरुवार को गृह मंत्री अमित शाह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात की।

▸ महाराष्ट्र कैबिनेट का फॉर्मूला क्या होगा? नई सरकार में CM और दो डिप्टी CM के साथ 43 मंत्री शामिल होंगे। इनमें भाजपा को 20–23, शिंदे गुट को 11 और अजित गुट को 9 मंत्री पद मिलने की संभावना है। इससे पहले शिंदे सरकार में 28 मंत्री थे और शिंदे के पास सबसे ज्यादा 11, भाजपा के पास 9 और अजित पवार गुट के पास 8 मंत्री थे। इस समय भाजपा विधायकों की संख्या ज्यादा होने से मंत्रियों की संख्या भी बढ़ेगी।

▸ इसके अलावा नाराज एकनाथ शिंदे को मनाने के लिए भाजपा ने उन्हें केंद्र में एक मंत्री पद ऑफर किया है। उनके बेटे श्रीकांत या पार्टी के किसी वरिष्ठ नेता को मोदी कैबिनेट में जगह मिल सकती है। इसके अलावा चर्चा इस बात की भी है कि अजित गुट की मोदी कैबिनेट में एक सीट खाली है। प्रफुल्ल पटेल मंत्री बन सकते हैं।

शिवसेना उद्धव गुट के सांसद संजय राउत बोले...

मोदी-शाह के आदेश के बाद भी भाजपा की ऐसी क्या मजबूरी है कि रिजल्ट के 8 दिन बाद भी नई सरकार पर फैसला नहीं हो पाया है। भाजपा 132 विधायकों के साथ बहुमत के करीब है। महायुति 200 से ऊपर का बहुमत है। कार्यवाहक CM गांव जाकर बैठे हैं। नया CM कौन होगा। सरकार शपथ कब लेगी। किसी के पास जानकारी नहीं है।

कांग्रेस नेता के बिगड़े बोल

'इलेक्शन कमीशन तो...'

▸▸ अब भाजपा ने EC और पुलिस से दर्ज कराई शिकायत

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) नेता किरीट सोमैया ने चुनाव आयोग के खिलाफ कांग्रेस नेता भाई जगताप के विवादित बयान को लेकर मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने इस मुद्दे को लेकर चुनाव आयोग को पत्र भी लिखा था। उन्होंने कहा कि मैंने चुनाव आयोग को पत्र लिखा है और मुंबई पुलिस आयुक्त के पास भी शिकायत दर्ज कराई है।' चुनाव आयोग जो कि एक संवैधानिक संस्था है, उसका इस तरह का अपमान, अपमान बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। भाई प्रताप के खिलाफ कार्रवाई शुरू की जाए।

कांग्रेस चुनाव निकाय को निशाना बना रही

सोमैया ने आगे कहा कि कांग्रेस चुनाव निकाय को निशाना बना रही है क्योंकि वे मार्च 2025 में होने वाले स्थानीय निकाय मुंबई नगर निगम चुनावों से डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि पिछले दो दिनों में कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) हर कोई ईवीएम और चुनाव आयोग पर निशाना साध रहा है क्योंकि हर कोई मार्च 2025 में होने वाले स्थानीय निकाय मुंबई नगर निगम चुनावों से डरा हुआ है। बीजेपी प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा कि संवैधानिक संस्था का अपमान करना कांग्रेस की पहचान बन गई है। यह कोई संयोग नहीं है, यह कांग्रेस की आदत बन गई है।

'वे संविधान का अपमान करने वाले हैं'

उन्होंने हमला जारी रखते हुए कहा कि अब वे चुनाव आयोग पर संदेह कर रहे हैं, जब झारखंड, जम्मू-कश्मीर, वायनाड, कर्नाटक और तेलंगाना में चुनाव होंगे तो चुनाव आयोग ठीक है। नहीं तो हरियाणा और महाराष्ट्र में, वे 'कुत्ता' बन जाते हैं... वे संविधान का अपमान करने वाले हैं।' हालांकि, इसके पलटवार में कांग्रेस नेता भाई जगताप ने कहा कि ये वही किरीट सोमैया हैं जो ईवीएम लेकर घूमते थे और इसके खिलाफ चेतावनी देते थे। अब क्य हुआ? हमारे लोकतंत्र और संविधान ने मुझे बोलने का अधिकार दिया है। प्रधानमंत्री, बीजेपी या आरएसएस नहीं। मैं महाराष्ट्र के लोगों की ओर से बोल रहा हूं।

अशोक जगताप ने एक कुत्ते से की थी चुनाव आयोग की तुलना

विशेष रूप से, महाराष्ट्र चुनाव परिणामों के मद्देनजर, अशोक जगताप ने चुनाव आयोग की तुलना एक कुत्ते से की थी जो रप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आदेशों का पालन करता है।र इस बीच, जगताप ने चुनाव आयोग के खिलाफ अपनी अपमानजनक टिप्पणी को दोगुना कर दिया है। उन्होंने अपनी आपत्तिजनक टिप्पणी पर माफी मांगने से भी इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि मैं बिल्कुल माफी नहीं मांगूंगा, रत्ती भर भी नहीं। अगर वे पीएम और अन्य मंत्रियों के दबाव में काम कर रहे हैं तो मैंने जो कहा है वह सही है। मैं माफी नहीं मांगूंगा। चुनाव आयोग देश के लोकतंत्र को और मजबूत करने के लिए है, किसी की सेवा करने के लिए नहीं। मैंने जो कहा मैं उसपर अडिग हूँ। चुनाव आयोग को टीएन शेषन की तरह काम करना चाहिए. चुनाव आयोग के चाटुकारितापूर्ण रवैये के कारण लोकतंत्र बदनाम हो रहा है। ईवीएम के बारे में बात करते हुए उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस ईवीएम तकनीक इसलिए लेकर आई क्योंकि इसका इस्तेमाल फ्रांस और अमेरिका में हो रहा था, लेकिन 2009 के बाद इसके इस्तेमाल पर संदेह पैदा होने लगा। इसके अलावा, उन्होंने कहा,हमारा विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यदि ऐसा कोई संदेह उठाया जाए तो उसका उत्तर दिया जाना चाहिए। इस पर सुप्रीम कोर्ट में कई याचिकाएं दायर की गई हैं. अप्रैल 2024 में इस पर फैसला सुनाया गया। कहा गया कि अगर आपको बैलेट पेपर नहीं चाहिए तो वीवीपैट पर्चियों की गिनती की जानी चाहिए।

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड

26 आरोपियों पर लगा मकोका, अभी भी 3 की तलाश

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

राकांपा नेता बाबा सिद्दीकी हत्याकांड मामले में मुंबई पुलिस ने 26 आरोपियों पर मकोका (महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट) लगाया। इस मामले में अभी भी तीन आरोपी वांछित हैं। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। बता दें कि बाबा सिद्दीकी को 12 अक्तूबर की रात उनके बेटे और कांग्रेस नेता जीशान सिद्दीकी के ऑफिस से बाहर निकलने के दौरान गोली मारी गई थी। जिसके बाद लीलावती अस्पताल में इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी।

क्या है मकोका कानून

महाराष्ट्र सरकार ने 1999 में मकोका (महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट) बनाया था। इसका मुख्य मकसद संगठित और अंडरवर्ल्ड अपराध को खत्म करना था। 2002 में दिल्ली सरकार ने भी इसे लागू कर दिया। फिलहाल महाराष्ट्र और दिल्ली में यह कानून लागू है। इसके तहत संगठित अपराध जैसे अंडरवर्ल्ड से जुड़े अपराधी, जबरन वसूली, फिरौती के लिए अपहरण, हत्या या हत्या की कोशिश, धमकी, उगाही सहित ऐसा कोई भी गैरकानूनी काम जिससे बड़े पैमाने पर पैसे बनाए जाते हैं, मामले शामिल है।

क्या है सजा?

मकोका के तहत पुलिस को चार्जशीट दाखिल करने के लिए 180 दिन का वक्त मिल जाता है, जबकि आईपीसी के प्रावधानों के तहत यह समय सीमा सिर्फ 60 से 90 दिन है। मकोका के तहत आरोपी की पुलिस रिमांड 30 दिन तक हो सकती है, जबकि आईपीसी के तहत यह अधिकतम 15 दिन होती है। इस कानून के तहत अधिकतम सजा फांसी है, वहीं न्यूनतम पांच साल जेल का प्रावधान है।

कांग्रेस नेता ने प्रदेश अध्यक्ष नाना को बताया RSS का एजेंट, नोटिस जारी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र कांग्रेस ने प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले पर 'आरएसएस एजेंट' होने का आरोप लगाने वाली टिप्पणी पर नागपुर सेंट्रल विधानसभा क्षेत्र से पार्टी के उम्मीदवार ह्रषिकेश उर्फ बंटी शेल्के को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। शनिवार को जारी नोटिस में शेल्के से दो दिनों के भीतर लिखित स्पष्टीकरण देने की मांग की गई है कि कथित तौर पर कांग्रेस पार्टी और पटोले को बदनाम करने के लिए उन्हें निलंबित क्यों नहीं किया जाना चाहिए। 28 नवंबर, 2024 को कांग्रेस विधानसभा उम्मीदवारों की बैठक के बाद की गई शेल्के की टिप्पणियों ने पार्टी के भीतर चिंता पैदा कर दी है।

पटोले को कांग्रेस से बर्खास्त कर आरएसएस में भेजा जाना चाहिए : ह्रषिकेश शेल्के

शेल्के विधानसभा चुनावों में भाजपा के प्रवीण दटके से हार गए थे। उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपनी हार के लिए पटोले को दोषी ठहराया। इसके साथ ही उन्होंने तोड़फोड़ और पार्टी के समर्थन की कमी का आरोप लगाया। मीडिया से बात करते हुए शेल्के ने कहा कि पटोले को कांग्रेस से बर्खास्त कर आरएसएस में भेजा जाना चाहिए, क्योंकि उनके कार्य उनके एजेंडे के अनुरूप हैं। पूर्व नगरसेवक ने आगे पटोले पर उनके अभियान को कमजोर करने का आरोप लगाया, उन्होंने आरोप लगाया कि उनका विरोध करने वाले ब्लॉक अध्यक्षों को नियुक्त किया गया और उनका नाम प्रमुख उम्मीदवार पैनल से बाहर रखा गया।

भाजपा के साथ मिलीभगत का आरोप

शेल्के ने दावा किया कि कांग्रेस का चुनाव चिह्न होने के बावजूद मैंने ऐसे चुनाव लड़ा जैसे कि मैं निर्दलीय हूं। अधिकांश ब्लॉक अध्यक्षों ने मेरे खिलाफ काम किया, यहां तक कि प्रियंका गांधी के रोड शो के दौरान भी पार्टी संगठन गायब था। शेल्के ने पटोले पर भाजपा के साथ मिलीभगत का भी आरोप लगाया और दावा किया कि प्रमुख कांग्रेस कार्यकर्ताओं को प्रतिद्वंद्वी पार्टी के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया गया था। उन्होंने कहा, 'इस विश्वासघात ने कैडर को हतोत्साहित कर दिया और पार्टी की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाया।'

प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले की प्रतिष्ठा धूमिल

नोटिस में लिखा कि 28 नवबर 2024 को कांग्रेस पार्टी के विधानसभा प्रत्याशियों की एक बैठक तिलक भवन में आयोजित की गई थी। बैठक में आप भी मौजूद थे। मीडिया से बात करते हुए आपने कांग्रेस पार्टी और माननीय प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले के खिलाफ लगाए गए झूठे और निराधार आरोपों के परिणामस्वरूप, कांग्रेस पार्टी और माननीय प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले की प्रतिष्ठा धूमिल हुई है।

आरोप ▸ शरद पवार का EVM में हेरफेर का आरोप, शिवसेना बोलीं- तब कहां थे...

'राज्य चुनावों में हुआ सत्ता और धन का दुरुपयोग'

मुनीब चौरसिया | मुंबई

राकांपा (सपा) प्रमुख शरद पवार ने शनिवार को महाराष्ट्र के हालिया राज्य चुनावों में 'सत्ता और धन के दुरुपयोग' का आरोप लगाया, यह दावा करते हुए कि यह पहली बार था कि राज्य और राष्ट्रीय दोनों चुनावों में इतने बड़े पैमाने पर इस तरह की रणनीति का इस्तेमाल किया गया था। पवार ने यह टिप्पणी वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ. बाबा आधव से मुलाकात के दौरान की, जो 20 नवंबर को हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में कथित इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (ईवीएम) के दुरुपयोग के खिलाफ मुंबई में तीन दिवसीय विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे हैं।

चुनावों में देखी गई 'सत्ता का दुरुपयोग' और 'पैसे की बाढ़'

शरद पवार ने कहा कि ईवीएम के वोटों में कुछ अंतर है लेकिन फिलहाल मेरे पास इस संबंध में कोई सबूत नहीं है। कुछ लोगों ने दोबारा गिनती की मांग की है। उन्होंने कहा कि इस मामले में जो भी संभव होगा किया जायेगा। कुछ लोगों ने पुनर्मतगणना के लिए आवेदन किया है। देखते हैं उसमें क्या होता है लेकिन मुझे इससे ज्यादा उम्मीद नहीं है। उन्होंने कहा कि यहां लोगों के बीच यह शिकायत है कि महाराष्ट्र में हाल के चुनावों में 'सत्ता का दुरुपयोग' और 'पैसे की बाढ़' देखी गई, जो पहले कभी नहीं देखी गई थी। ऐसी बातें स्थानीय स्तर के चुनावों में सुनने को मिलती हैं, लेकिन पैसे के दम पर पूरे चुनाव तंत्र पर कब्ज़ा कर लेना और सत्ता का दुरुपयोग करना पहले कभी नहीं देखा गया। हालाँकि, हमने इसे महाराष्ट्र में देखा और लोग अब बेचैन हैं।

संसदीय लोकतंत्र का ठीक से नहीं हो रहा पालन

पवार ने कहा कि ऐसा पहली बार हुआ है, देश में हुए चुनावों ने लोगों को काफी बेचैन कर दिया है, लोगों में निराशा है। हर दिन सुबह 11:00 बजे संसद में विपक्षी नेता सवाल उठाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि वे अपनी बात रखते हैं लेकिन संसद में उनकी मांगें नहीं मानी जा रही हैं और इसका साफ मतलब है कि संसदीय लोकतंत्र का पालन ठीक से नहीं हो रहा है। अगर ऐसा ही चलता रहा तो यह ठीक नहीं है और इसके लिए हमें लोगों के बीच जाकर उन्हें जागरूक करना होगा।

पवार चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कर सकते हैं : शंभूराज

NCP-SCP प्रमुख शरद पवार के बयान पर बोले शिव सेना नेता शंभूराज देसाई ने कहा कि उन्होंने चुनाव के दौरान इसकी शिकायत क्यों नहीं की? यदि चुनाव के दौरान सत्ता और धन का दुरुपयोग किया गया तो महा विकास अघाड़ी के उम्मीदवारों को चुनाव अधिकारियों से शिकायत करनी चाहिए थी। पुलिस, जिला प्रशासन। वह महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में अपनी हार के लिए बस कुछ को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। वह (शरद पवार) अभी भी पुलिस, चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

भजनलाल सरकार लाएगी धर्मांतरण विरोधी बिल

भरतपुर और बीकानेर को दी बड़ी सौगात

एजेंसी | नई दिल्ली

राइजिंग राजस्थान और सरकार की पहली वर्षगांठ से पहले भजनलाल सरकार ने शनिवार को कैबिनेट और मंत्रिपरिषद की बैठक आयोजित की। इस बैठक में भजनलाल सरकार ने कई बड़े फैसले लिए हैं। कैबिनेट मीटिंग के बाद डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा और मंत्री जोगाराम पटेल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर फैसलों की जानकारी दी है। कैबिनेट बैठक के फैसलों की जानकारी देते हुए डिप्टी सीएम प्रेमचंद बैरवा और मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि सरकार आने वाले विधानसभा सत्र में धर्मांतरण विरोधी बिल लाएगी। जिसमे 1 से 5 साल की सजा का प्रावधान होगा। वहीं, नाबालिग का धर्मांतरण कराने पर 3 से 10 साल सजा का प्रावधान होगा। इसमें लव जिहाद को रोकने का भी प्रावधान होगा। साथ ही धर्म बदलकर फायदा उठाने वाले पर भी कार्रवाई होगी। मर्जी से धर्म परिवर्तन पर भी 60 दिन पहले कलेक्टर को सूचना देनी होगी। बता दे, गुजरात, कर्नाटक, झारखंड जैसे राज्यों में बने कानून को मिलाकर इसके प्रावधान तैयार किए जा रहे हैं।

वहीं, कैबिनेट मीटिंग में सबसे बड़ा फैसला लेते हुए सीएम भजनलाल ने अपने गृह जिले भरतपुर और बीकानेर को विकास प्राधिकरण घोषित किया है। भजनलाल सरकार ने 7वें राज्य वित्त आयोग के गठन को भी मंजूरी दी है। बता दें, इस आयोग का कार्यकाल 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2030 तक रहेगा।

ईवीएम में गड़बड़ी के खिलाफ आंदोलन कर रहे बाबा आढाव से मिले अजित पवार

डीबीडी संवाददाता । पुणे

महाराष्ट्र चुनाव में ईवीएम के गड़बड़ी को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ. बाबा आढाव से एनसीपी प्रमुख अजित पवार ने मुलाकात की। पवार ने आढाव से उनका विरोध प्रदर्शन समाप्त करने का आग्रह किया। एनसीपी प्रमुख ने कहा कि आंदोलन करना उनका विशेषाधिकार है, लेकिन मैं उनसे अनुरोध करता हूं कि वे इसे समाप्त कर दें। महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने शनिवार को वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ. बाबा आढाव से हालिया विधानसभा चुनावों में ईवीएम के कथित दुरुपयोग के खिलाफ उनका विरोध प्रदर्शन वापस लेने का अनुरोध करते हुए कहा कि फैसले को स्वीकार किया जाना चाहिए। 95 वर्षीय डॉ. बाबा आढाव के बगल में बैठे हुए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रमुख अजित पवार ने कहा कि सत्तारूढ़

महायुति ने लोकसभा चुनावों में खराब प्रदर्शन किया था, लेकिन उसने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (EVM) पर सवाल नहीं उठाया।

लोकसभा चुनाव में महायुति का प्रदर्शन खराब रहा

अजित पवार ने कहा कि 'लोकसभा चुनाव में महा विकास अघाडी ने महाराष्ट्र की 48 में से 31 सीट जीतीं, जबकि हमें 17 सीट मिलीं। हमने लोगों के जनादेश को स्वीकार किया। हमने जनादेश स्वीकार किया। हमने ईवीएम पर कोई आरोप नहीं लगाया। बारामती में उम्मीदवार मेरी पत्नी सुनेत्रा पवार 1.4 लाख से ज्यादा मतों से हारीं, जबकि विधानसभा चुनाव में मैं एक लाख मतों से जीता।' अजित पवार ने कहा कि 'मैं इस बात से सहमत हूं कि इस मुद्दे पर चर्चा होनी चाहिए और यदि कोई समाधान नहीं निकलता है, तो अदालतों में जाया जा सकता है। यहां तक कि उच्चतम न्यायालय ने हाल ही में एक याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि याचिकाकर्ता जब हारते हैं, तो ईवीएम को दोष देते हैं, लेकिन जब वे जीतते हैं, तो कोई आरोप नहीं लगाते हैं।'

संसद में चर्चा कराने का करेंगे आग्रह

भाजपा की सहयोगी पार्टी ने कहा कि वह निश्चित रूप से केंद्र के मंत्रियों से इस मुद्दे पर संसद में चर्चा कराने का आग्रह करेंगे। पवार ने कहा कि बहुत से लोगों ने ईवीएम के बारे में आरोप लगाए हैं, लेकिन आज तक कोई भी यह साबित नहीं कर पाया है कि ईवीएम के साथ छेड़छाड़ की जा सकती है। वरिष्ठ कार्यकर्ता डॉ. बाबा आढाव ने कहा कि वह और उनके साथी शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे हैं और उन्होंने अजित पवार से आश्वासन मांगा कि विरोध को दबाया नहीं जाएगा। एनसीपी प्रमुख ने आश्वासन दिया कि इसे दबाया नहीं जाएगा।

500 रुपए में एक वर्ष फ्री राशन देने की स्कीम बता कर सैकड़ों लोगों से ठगी

सात लोगों पर मामला दर्ज, तीन गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी में 500 रुपए में साल भर फ्री राशन देने की सरकारी स्कीम बता कर सैकड़ों लोगों के साथ ठगी करने का सनसनी खेज मामला सामने आया है। इस मामले में निजामपुरा पुलिस ने तीन पुरुष व चार महिला समेत कुल सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार म्हाडा कॉलोनी निवासी आयशा जुबैर अंसारी (40) ने अपने पूरे परिवार के साथ ठगी करने वाले 1) फैसल मंसूर अहमद शेख, 2) अली सज्जाद

जाफरी, 3) मो. अफगान अकबर अली अंसारी 4) शबनम शेख, 5) शबोरा मरियम, 6) शाहीन, 7) राहिला, सहित कुल सात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कराया है। जिन्होंने एक साल फ्री राशन देने के नाम पर उनसे 500 रुपए ऐंठ लिया है। निजामपुरा पुलिस स्टेशन के वरिष्ट पुलिस निरीक्षक संतोष आव्हाड ने बताया कि उक्त सातों आरोपियों ने आपस में सांठगांठ कर 1000 से 1200 महिलाओं से 500 रुपए में राशन देने के नाम पर ठगी की घटना को अंजाम देकर करीब 5 से 6 लाख रुपए गबन किया है। महिला की शिकायत पर पुलिस ने सातों आरोपियों के खिलाफ बीएनएस की धारा 318(4), 316(2), 3(5) के तहत मामला दर्ज कर फैसल मंसूर अहमद शेख, अली सज्जाद जाफरी, मो. अफगान अकबर अली अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है। जबकि चार फरार महिला आरोपियों की तलाश पुलिस कर रही है। ठगी का शिकार हुए पीड़ित महिलाओं ने बताया कि उक्त ठगों ने उन्हें साल भर फ्री राशन की सरकारी स्कीम बता कर उनसे 500 रुपए लिए थे, और उन्हें इस महीने की पहली तारीख को फ्री राशन की पहली किस्त देने का वादा किया था। परंतु 1 तारीख से पहले ही वे सब कहीं गायब हो गए है।

किराना दुकान चला रही महिला से चेन स्नेचिंग

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी के कामतघर स्थित फेनेगांव में एक किराना दुकान में महिला के साथ चेन स्नेचिंग की घटना सामने आई है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार कामतघर इलाके स्थित फेनेगांव में विकास स्कूल के सामने जग्गू भाई की चाल में रहने वाली आरती संतोष गुप्ता (30), जो किराना दुकान चला कर अपने परिवार का पालन पोषण करती है। शुक्रवार की दोपहर 3:15 बजे अचानक उनकी किराना दुकान में एक अज्ञात शख्स ने जबरदस्ती घुस कर महिला के गले से 30 हजार रुपए कीमत की 10 ग्राम वजनी सोने की चेन

छीन कर फरार हो गया है। शहर पुलिस ने महिला की शिकायत पर अज्ञात स्नेचर के खिलाफ बीएनएस की धारा 309(4), 333 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। मामले की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक परदेशी कर रहे हैं।

मनपा ने शहर में अवैध बैनर होर्डिंग के खिलाफ चलाया अभियान

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी महानगर पालिका क्षेत्र में लगे अवैध बैनर होर्डिंग के खिलाफ मनपा द्वारा कार्रवाई अभियान तेज कर दिया गया है। जिसके तहत कल मनपा द्वारा शहर में इलेक्ट्रिक पोल व ट्रांफरम जैसी जगहों पर अवैध रूप से बैनर लगाने वाले कुल 15 लोगों के खिलाफ संबधित पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कराया गया है। बता दें कि सोमवार को प्रशासक व मनपा आयुक्त अजय वैद्य ने सभी अधिकारियों की एक बैठक आयोजित कर उन्हें शहर में अवैध निर्माणों एवं अवैध बैनर होर्डिंग के खिलाफ कार्रवाई करने का कड़ा निर्देश दिया था। जिसका पालन करते हुए सुबह 10:30 से 2:30 बजे के दरमियान मनपा के प्रभाग समिति 5 के

बिना अनुमति के लगे कुल 15 बैनरों के खिलाफ केस दर्ज

सहायक आयुक्त बालाराम जाधव व बीट निरीक्षक अरविंद घुगरे तथा अतिक्रमण विभाग ने कुरैश नगर में बिना परमिशन 'डॉ. फालके गोट फॉर्म' (बैकरी व दूध), गोकुल नगर में बॉम्बे स्वीट्स (ओपनिंग सेरेमनी), वंजार पट्टी नाका स्थित टॉलेंट कंप्यूटर्स (जीवन प्रमाणपत्र), नझराना टॉकीज के सामने गुरुकुल सायंस क्लासेस, कोटरगेट मस्जिद के सामने 'मोहब्बत का शरबत', कासर अली स्थित मार्कंडेय मंदिर के सामने वी.एम ट्यूटोरियल्स, पटेल मस्जिद के पास अल हिदाया इंस्टीट्यूट, छत्रपति शिवाजी महाराज चौक स्थित बंजार पट्टी नाका रोड पर सीमना सर्विस सेंटर, एसटी स्टैंड स्थित ब्रिज के नीचे एजुकेशनल सोसायटी (फन फेयर), वंजार पट्टी नाका पर व्हेट प्रो. (रेबीज वैक्सीनेशन कैप), व डॉ. फालके (हॉप हॉस्पिटल), और नूरी कबाब जैसे लगाए गए कुल 12 विभिन्न अवैध बैनरों के खिलाफ निजामपुरा पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराया गया है।इसी तरह प्रभाग समिति 4 के सहायक आयुक्त सुनिल भोईर ने अपने क्षेत्र की सीमा में नारपोली स्थित लक्ष्मी भोईर कंपाउंड 72 गाले के पास रस्ते की दीवार व ट्रांसफार्म तथा ओसवाल वाड़ी के सामने और अंजूर फाटा खांरबाव रोड पर इलेक्ट्रिक पोल पर लगे अवैध बैनरों के खिलाफ नारपोली पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कराया है। इन सभी मामलों में संबधित पुलिस स्टेशन ने अवैध बैनर लगाने वालों के खिलाफ महाराष्ट्र महानगर पालिका अधिनियम 1951 की कलम 244, 245, 246ए, म.म.वी. प्रतिबंध अधिनियम 1995 की कलम 2 व 3, मुंबई पुलिस एक्ट की धारा 33(1) डीबी के तहत मामला दर्ज किया है।

'महाराष्ट्र में होगा भाजपा का मुख्यमंत्री'

अजित पवार ने बताया मंत्रिमंडल का फॉर्मूला

डीबीडी संवाददाता । पुणे

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नतीजों के एक सप्ताह बाद भी नए मुख्यमंत्री के चेहरे का ऐलान नहीं हुआ है। लेकिन शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां शुरू हो गई है। चुनाव में महायुति को मिले प्रचंड बहुमत के बाद भी सीएम पद को लेकर अभी तक कोई ऐलान नहीं हुआ है। दिल्ली में महायुति के नेताओं की भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ हुई बैठक के बाद एकनाथ शिंदे अपने पैतृक गांव चले गए जिसके चलते मुंबई में होने वाली बैठक रद्द कर दी गई। इधर महायुति में शामिल अजित पवार ने शनिवार को मुख्यमंत्री को लेकर बड़ा दिया है।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष अजित पवार ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र का अगला मुख्यमंत्री भारतीय जनता पार्टी से होगा और सत्तारूढ़ महायुति के अन्य घटकों से दो उपमुख्यमंत्री होंगे। महायुति में भाजपा के अलावा एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी शामिल हैं। सत्तारूढ़ गठबंधन महायुति ने हाल में संपन्न हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में शानदार जीत दर्ज की है। भाजपा 132 सीट जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है जबकि शिवसेना ने 57 और एनसपी ने 41 सीटें जीतीं हैं। हालांकि, अगले मुख्यमंत्री को लेकर स्थिति अब भी स्पष्ट नहीं हुई है और सरकार गठित करने में देरी हुई है।

अजित पवार 95 वर्षीय

सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. बाबा आढाव से मिलने पुणे में आए थे। बाबा आढाव ने हाल में संपन्न महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों (EVM) के कथित दुरुपयोग के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया था। इस दौरान अजित पवार से जब पूछा गया कि राज्य का मुख्यमंत्री कौन होगा तो उन्होंने कहा कि "राज्य में भाजपा से मुख्यमंत्री और महायुति के दो अन्य दलों से दो उप मुख्यमंत्री होंगे। हमने एक मजबूत दृष्टिकोण के साथ आगे बढ़ने का फैसला किया है।"

इधर भाजपा की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने शनिवार शाम घोषणा की कि नई महायुति सरकार 5 दिसंबर की शाम को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की उपस्थिति में दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में शपथ लेगी। हालांकि, अभी तक मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा नहीं की गई है लेकिन भाजपा सूत्रों ने कहा कि देवेंद्र फडणवीस इस दौड़ में सबसे आगे हैं। फडणवीस दो बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं और पिछली एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सरकार में उपमुख्यमंत्री थे।

पानी के विवाद को लेकर महिला की पिटाई, 8 पर मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

महाराष्ट्र में दिन-ब-दिन अपराध की घटनाएं बढ़ती ही जा रही हैं। इसी बीच नवी मुंबई से एक हैरान करने वाली खबर सामने आई है। न्हावा शेवा इलाके में पानी को लेकर बड़ा विवाद हो गया। बताया जा रहा है कि पानी बर्बाद करने के संदेह में कुछ पड़ोसियों ने मिलकर एक महिला पर हमला कर उसकी पिटाई करना शुरू कर दिया था। इस दौरान कथित तौर पर महिला की बेटी के साथ दुर्व्यवहार भी किया गया। महिला की शिकायत पर पुलिस ने 8 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, न्हावा शेवा इलाके में पड़ोसियों को संदेह था कि पीड़ित महिला बेफिजूल पानी की बर्बादी करती है। इसी संदेह के चलते कुछ पड़ोसियों का महिला और उसकी 18 वर्षीय बेटी के साथ विवाद हो गया। इस बीच लोगों ने अचानक महिला की पिटाई करना शुरू कर दिया। महिला के बचाव के लिए बेटी आगे आई तो उसे भी पीटना शुरू कर दिया। महिला ने बचाव के लिए मदद की गुहार लगाने पर भी किसी ने मदद नहीं की।

इस दौरान कथित तौर पर हमले के दौरान आरोपियों ने बच्ची को सार्वजनिक रूप से निर्वस्त्र कर पिटाई की। इतना ही नहीं, पीड़ितों के खिलाफ जातिवादी गाली-गलौच का भी इस्तेमाल किया गया। इस घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। पुलिस ने इस मामले में 8 लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। अनुसूचित जनजाति अधिनियम और विनय भंग करने के इरादे से हमला करने के अधिनियम के तहत यह मामला दर्ज किया गया है।

जिले में 14 दिसंबर को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

मुख्य जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्रीनिवास अग्रवाल की अध्यक्षता में शनिवार, 14 दिसंबर को 'राष्ट्रीय लोक अदालत' का आयोजन किया गया है। लोक अदालत में न्यायालयों में लंबित प्रकरणों व पूर्व से दायर प्रकरणों को सुनवाई के लिए रखा जा सकता है।जिला विधि सेवा प्राधिकरण के सचिव न्यायमूर्ति ईश्वर सूर्यवंशी ने संबंधित मामलों के निराकरण के लिए शनिवार 14 दिसम्बर

को आयोजित लोक अदालत में अपने मामला रखें। न्यायाधीश ईश्वर सूर्यवंशी ने कहा कि लोक अदालत के फैसले के खिलाफ कोई अपील नहीं होती, एक फैसले में अदालती कार्यवाही से स्थायी राहत मिलती है। मुकदमों में गवाही व लंबी बहस से बचा जाता है। लोक अदालत में फैसला आपसी समझ से होता है। लोक अदालत के फैसले से दोनों पक्षों को संतुष्टि मिलती है। न्यायालय की डिग्री के अनुसार लोक अदालत में पारित निर्णय को न्यायालय के माध्यम से लागू कराया जा सकता है जिससे समय और धन की बचत होती है।इतना ही नहीं, लोक अदालत में निस्तारित मामलों में न्यायालय शुल्क की राशि भी कानून के अनुसार वसूल की जाती है।

महापेक्स 2025 : डाक टिकटों का उत्सव, संग्रह करें, जुड़ें, आनंद लें

डीबीडी संवाददाता । कल्याण

डाक टिकटों की महाराष्ट्र राज्य स्तरीय प्रदर्शनी 'महापेक्स 2025' का आयोजन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर, मुंबई में 22 से 25 जनवरी 2025 तक किया जाएगा । फिलैटली के साथ-साथ यह महाराष्ट्र और गोवा की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का एक भव्य समारोह होगा । महापेक्स 2025 के लोगो का अनावरण गेमपेक्स ठाणे 2024 के समापन समारोह के दौरान अमिताभ सिंह, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, महाराष्ट्र सर्किल द्वारा किया गया। इस लोगो की रूपरेखा छत्रपति शिवाजी महाराज की राजमुद्रा से प्रेरित होकर बनाई गई है। इसमें वारली पेंटिंग और महाराष्ट्र और गोवा की स्थापत्य विरासत को दर्शाया गया है। महाराष्ट्र के राज्यप्राणी शेकरू को महापेक्स 2025 के शुभंकर के रूप में अपनाया गया है। विभिन्न प्रकार के 500-फ्रेम डाक टिकटों के प्रदर्शन के साथ महापेक्स 2025 में फिलैटली के इतिहास और सांस्कृतिक महत्व को प्रदर्शित किया जाएगा। प्रदर्शनी के लिए विवरणिका जारी कर दी गई है । इसमें विभिन्न श्रेणियों के प्रदर्श, भागीदारी के लिए पात्रता और प्रस्तुत करने की समय-सीमा का विवरण दिया गया है। बुलेटिन 1 जारी किया गया जिसमें 'महाराष्ट्र और गोवा में वन्यजीव' विषय पर फोटोग्राफी प्रतियोगिता और '2047 में भारत' विषय पर पोस्टकार्ड डिजाइन प्रतियोगिता का विवरण शामिल है। इसमें विशेष कैंसलेशन के साथ एक विशेष आवरण और प्रदर्शनी से पहले और उसके दौरान की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों का उल्लेख करने वाला एक पोस्टकार्ड भी शामिल है। इस बुलेटिन का मुख्य आकर्षण इसमें तांबे की उभारदार नक्काशी से बना लोगो है। इस प्रदर्शनी को समर्पित एक वेबसाइट, www.mahapex2025.Com भी लॉन्च की गई है, जो प्रदर्शकों को ऑनलाइन पंजीकरण करने में सहायक होगी । इस वेबसाइट पर प्रदर्शनी के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न सेमिनारों और कार्यशालाओं का विवरण भी दिया जाएगा। महापेक्स 2025 एक रोमांचक और ज्ञानवर्धक समारोह होगा जिसमें पूरे राज्य से फिलैटलिस्ट, संग्रहकर्ता और उत्साही लोग शामिल होंगे।

साईनगर शिरडी, हडपसर, दौंड और सोलापुर विशेष ट्रेनों की अवधि में विस्तार

डीबीडी संवाददाता । पुणे

रेलवे यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए साईनगर शिरडी-बीकानेर, हडपसर-हिसार, दौंड-अजमेर और सोलापुर-अजमेर के बीच विशेष ट्रेनों के अवधि में विस्तार किया गया है।

साईनगर शिरडी-बीकानेर-साईनगर शिरडी स्पेशल (4 ट्रिप)

04716 साईनगर शिरडी-बीकानेर साप्ताहिक स्पेशल जो 01.12.2024 तक अधिसूचित थी, अब 08.12.2024 और 15.12.2024 को प्रत्येक रविवार (2 ट्रिप) तक विस्तारित की गई है। 04715 बीकानेर-साईनगर शिरडी साप्ताहिक स्पेशल जो 30.11.2024 तक अधिसूचित थी, अब 07.12.2024 और 14.12.2024 को प्रत्येक शनिवार (2 ट्रिप) तक विस्तारित की गई है।

हड़पसर हिसार-हड़पसर स्पेशल (6 ट्रिप)

ट्रेन संख्या 04724 हडपसर-हिसार साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन, जो 18.11.2024 तक अधिसूचित थी, अब 02.12.2024 से 16.12.2024 तक प्रत्येक सोमवार (3 ट्रिप) तक विस्तारित की गई है।ट्रेन संख्या 04723 हिसार-हडपसर साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन, जो 17.11.2024 तक अधिसूचित थी, अब 01.12.2024 से 15.12.2024 तक प्रत्येक रविवार (3 ट्रिप) तक विस्तारित की गई है।

अजमेर-दौंड-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल (4 ट्रिप)

09626 दौंड-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल जो 29.11.2024 तक अधिसूचित थी, अब 06.12.2024 और 13.12.2024 को शुक्रवार (2 ट्रिप) तक बढ़ा दी गई है।

09625 अजमेर-दौंड साप्ताहिक स्पेशल जो 28.11.2024 तक अधिसूचित थी, अब 05.12.2024 और 12.12.2024 को गुरुवार (2 ट्रिप) तक बढ़ा दी गई है।

सोलापुर-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल (4 ट्रिप)

09628 सोलापुर-अजमेर साप्ताहिक स्पेशल, जो 28.11.2024 तक चलने के लिए अधिसूचित थी, अब 05.12.2024 और 12.12.2024 को गुरुवार (2 ट्रिप) तक चलेगी। 09627 अजमेर-सोलापुर साप्ताहिक स्पेशल, जो 27.11.2024 तक प्रत्येक बुधवार को चलने के लिए अधिसूचित थी, अब 04.12.2024 से 11.12.2024 तक (2 ट्रिप) चलेगी।

चलने के दिन, समय, संरचना और ठहराव में कोई बदलाव नहीं होगा। ट्रेन संख्या 04716/04724/09626 और 09728 तथा 04716 की विस्तारित सेवायें के लिए विशेष शुल्क पर बुकिंग 01.12.2024 से सभी कम्प्यूटरीकृत आरक्षण केंद्रों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर शुरू होगी।

जनता के बहुमत का महायुति कर रही अपमान: शरद पवार

डीबीडी संवाददाता । पुणे

महाराष्ट्र में इस बार महायुति की बड़ी जीत हुई है। इस बार के चुनावी नतीजों को देख एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार को बड़ा झटका लगा है। इसके लिए पार्टी ने फिर से मतगणना करने की मांग की है। फिलहाल राज्य में सीएम कौन बनेगा इसकी लहर दौड़ रही है। इस बीच एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार ने कहा कि कि महाराष्ट्र में जनता के आदेश का सम्मान नहीं हो रहा है, और ये अच्छी बात नहीं है। शरद पवार ने एएनआई से बात करते हुए बताया कि ये चौकाने वाली बात हैं कि इतना साफ बहुमत मिलने के बाद भी अभी तक सरकार नहीं बन पाई है। इससे साफ जाहिर होता है कि जनता का बहुमत महायुति के लिए मायने नहीं रखता।

जन आंदोलन करना होगा तैयार

एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार का कहना है, "ऐसा पहली बार हुआ है, देश में हुए चुनावों ने लोगों को बहुत बेचैन कर दिया है, लोगों में निराशा है। शरद पवार ने आरोप लगाया कि इस बार उन्हें सत्ता का दुरुपयोग और पैसे का अधिक इस्तेमाल देखने को मिला है और इसके चलते जनता की बैचेनी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर पूरी जनता को एक जन आंदोलन तैयार करना होगा।'

शरद पवार ने आगे कहा, अब ऐसा लगता है कि देश में संसदीय लोकतंत्र प्रणाली खत्म हो

जाएगी। उन्होंने कहा हर दिन विपक्षी नेता संसद में इस मुद्दे पर सवाल उठाते है तो उन्हें बोलने नहीं दिया जाता। हर दिन सुबह 11:00 बजे विपक्ष के नेता संसद में सवाल उठाते हैं। अपनी बात रखते हैं लेकिन संसद में उनकी मांगें नहीं मानी जा रही हैं और इसका साफ मतलब है कि संसदीय लोकतंत्र का सही तरीके से पालन नहीं हो रहा है।

अगर ऐसा ही चलता रहा तो ये ठीक नहीं है और इसके लिए हमें लोगों के बीच जाकर उन्हें जागरूक करना होगा। ईवीएम के वोटों में कुछ अंतर है लेकिन फिलहाल मेरे पास इस संबंध में कोई सबूत नहीं है। कुछ लोगों ने पुनर्मतगणना की मांग की है। इस मामले में जो भी संभव होगा वो किया जाएगा। कुछ लोगों ने पुनर्मतगणना के लिए आवेदन किया है। देखते हैं उसमें क्या होता है लेकिन मुझे इससे ज्यादा उम्मीद नहीं है।

उत्तरी महाराष्ट्र में ठंड का प्रकोप

आने वाले दिनों में कड़ाके की ठंड के साथ शीतलहर की चेतावनी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड पड़नी शुरू हो गई है और इसके साथ ही देश के अन्य भागों में भी ठंड बढ़ने लगी है। इस कड़ी में महाराष्ट्र के कई हिस्सों में भी तापमान गिर रहा है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार उत्तरी क्षेत्र के नासिक में शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चक्रवात 'फेंगल' के चलते जहां तमिलनाडु, आंध्र-प्रदेश, केरल, पुडुचेरी आदि के तटीय क्षेत्र में भारी बारिश और तेज हवाएं चलने से ठंड में बढ़ोत्तरी हुई है, वहीं इसका असर महाराष्ट्र में हल्के बादल छाए रहने के तौर पर देखा गया। मौसम विभाग ने शुक्रवार को फेंगल के कारण आगामी दिनों में महाराष्ट्र के कुछ इलाकों में हल्की बारिश का अनुमान भी जताया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि बीड और जेउर (सोलापुर) में न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि अहिल्यानगर में यह 10.7 डिग्री सेल्सियस रहा।वहीं सतारा और महाबलेश्वर में क्रमशः 11.9 डिग्री सेल्सियस और 11.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। सांगली में न्यूनतम तापमान 14.8 डिग्री जबकि कोल्हापुर में 16.7 डिग्री सेल्सियस रहा। इसके अलावा उत्तर महाराष्ट्र के जलगांव में पारा गिरकर 11.9 डिग्री सेल्सियस हो गया। आईएमडी (मुंबई) की वैज्ञानिक सुषमा नायर ने बताया कि चक्रवात 'फेंगल' से नमी की मात्रा बढ़ने के कारण शनिवार से तापमान में वृद्धि होने की संभावना है।

उत्तरी महाराष्ट्र में शीत लहर की चेतावनी

बात करें नासिक की तो यहां शनिवार सुबह न्यूनतम तापमान 8.9 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि गुरुवार को न्यूनतम तापमान 10.5 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 27.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। निफाड़ का तापमान गुरुवार सुबह 8 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया, जो इस मौसम का सबसे कम तापमान था। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों के लिए नासिक और उत्तरी महाराष्ट्र में शीत लहर की चेतावनी दी है, साथ ही अगले दो से तीन दिनों तक कड़ाके की ठंड जारी रहने की उम्मीद जताई है।

नागरिकों को जरूरी सावधानी बरतने के निर्देश

तापमान में गिरावट का कारण बंगाल की खाड़ी में चक्रवात बनने को माना जा रहा है। नासिक के बाद राज्य में सबसे कम तापमान अहिल्यानगर और पुणे में दर्ज किया गया है। बुधवार को अहिल्यानगर में 9.4 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया, जबकि पुणे में 9.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। तापमान में गिरावट के चलते जिला आपदा प्रबंधन विभाग ने नागरिकों को आवश्यक सावधानी बरतने के निर्देश जारी किए हैं। इसके अलावा, जिले के मालेगांव तहसील में भी 12.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया है। निफाड़ तहसील में घटते तापमान से अंगूर की फसलों की वृद्धि प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है।

मुख्यमंत्री बनने से पहले भाजपा नेता का बड़ा बयान

मुंबई। 15वीं विधानसभा के लिए महाराष्ट्र के नए मुख्यमंत्री को लेकर जारी गतिरोध समाप्त होने का नाम ही नहीं हो रहा है। चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद के 8 दिनों में कई नामों की चर्चा सीएम के तौर पर चलती रही है। इनमें एक नाम पुणे से बीजेपी के नवनिर्वाचित सांसद मुरलीधर मोहोल का भी शामिल था। लेकिन अब मुरलीधर मोहोल ने खुद सामने आकर उन खबरों का खंडन किया है, जिनमें उन्हें मुख्यमंत्री पद के कैंडिडेट के रूप में पेश किया जा रहा था।

महाराष्ट्र में नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह की तारीख और जगह की घोषणा बीजेपी ने कर दी है। हालांकि सीएम पद के फेस का खुलासा अभी तक नहीं हुआ है। इस रेस में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को सबसे प्रबल दावेदार माना जा रहा है। लेकिन उनके अलावा बीजेपी से विनोद तावडे, सुधीर मुनगंटीवार और मुरलीधर मोहोल के नाम की भी चर्चा महाराष्ट्र के सियासी गलियारे में चल रही है।

मुरलीधर मोहोल ने सोशल मीडिया पर दी जानकारी

इसी पृष्ठभूमि में अब मुरलीधर मोहोल ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर ट्वीट कर अपनी प्रतिक्रिया दी। सोशल नेटवर्किंग साइट एक्स पर साझा पोस्ट में मोहोल ने लिखा है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद के लिए मेरे नाम की चर्चा निरर्थक और कपोलकल्पित है। अपनी पोस्ट में मोहोल ने देवेंद्र फडणवीस के ही प्रबल दावेदार होने के संकेत दिए हैं। उन्होंने लिखा है कि हमने बीजेपी के रूप में देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में चुनाव लड़ा। इसे महाराष्ट्र की जनता का ऐतिहासिक समर्थन भी मिला। इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि बीजेपी में पार्टी अनुशासन और पार्टी का निर्णय सर्वोच्च होता है। मुरलीधर मोहोल ने आगे लिखा कि ऐसे फैसले सोशल मीडिया पर चर्चा से नहीं, बल्कि संसदीय बोर्ड में आम सहमति से लिए जाते हैं और एक बार संसदीय बोर्ड में निर्णय हो जाने के बाद, पार्टी का निर्णय हमारे लिए सर्वोच्च होता है। इसलिए सोशल मीडिया पर मेरे नाम की चर्चा बेमानी है।

एचआईवी की रोकथाम के लिए मुंबई जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी की पहल

अब टैटू बनाने से पहले करानी पड़ सकती है एचआईवी जांच

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

टैटू पार्लर में आप यदि टैटू बनाने जा रहे हैं और टैटू आर्टिस्ट आपको एचआईवी जांच कराने के लिए कहता है तो चौंकिए मत, क्योंकि आगामी वर्ष से यह कहा जा सकता है। हालांकि टैटू कराने से पहले एचआईवी टेस्ट कराना भले ही अनिवार्य नहीं होगा लेकिन सुरक्षा के लिहाज से जांच कराना इस बीमारी से बचाव के लिए कारगर कदम हो सकता है। एचआईवी की रोकथाम के लिए और भी कदम मुंबई जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी (एमडेक्स) की ओर से उठाए जानेवाले हैं। एक सर्वे के मुताबिक नए एचआईवी संक्रमितों में 75 फीसदी 15 से 49 आयु वर्ग के होते हैं। जिसमें 31 फीसदी महिलाओं का समावेश हैं। जबकि असुरक्षित यौन संबंध अभी भी एचआईवी संक्रमण के प्रसार का बड़ा कारण है। 95 फीसदी लोगों में एचआईवी संक्रमण इसी कारण फैलता है। हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस मनाया जाता है। इस बीमारी से बचाव के लिए इस दिन बड़े स्तर पर जनजागृति की जाती है। इस कड़ी में अब एमडेक्स की ओर से टैटू पार्लरों के मालिकों को एड्स के प्रति जागरूक किया जाएगा। एमडेक्स के अतिरिक्त परियोजना निदेशक डॉ. विजय करंजकर ने बताया कि टैटू गुदवाने के दौरान स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। खासकर, यदि टैटू आर्टिस्ट और सेंटर सुरक्षित और स्वच्छ प्रक्रियाओं का पालन नहीं करते हैं, तो यह एचआईवी जैसी गंभीर बीमारियों के फैलने का कारण बन सकता है। इसका ताजा उदाहरण उत्तरप्रदेश में हाल ही में देखने को मिला था। जहां शरीर पर टैटू बनाने की वजह से कई महिलाएं एचआईवी संक्रमित पाई गई थीं। यही वजह है कि अब एमडेक्स टैटू सेंटरों के आर्टिस्टों के साथ चर्चा करेगी।

जांच कराने की अपील पर जोर

डॉ. विजय ने बताया कि इस बैठक में टैटू आर्टिस्ट को एचआईवी संक्रमण को लेकर जागरूक किया जाएगा। इसके साथ ही टैटू बनाने के लिए इस्तेमाल में आनेवाले उपकरणों को स्टेरिलाइज करने के लिए कहा जाएगा। उन्होंने बताया कि अगर एचआईवी पॉजिटिव व्यक्ति टैटू बनवाने के लिए किसी सेंटर में आता है और आर्टिस्ट उस पर उपयोग किये गए सिरिंज या अन्य उपकरणों का दूसरे ग्राहक पर पुनः उपयोग करता है, तो इससे संक्रमण फैलने का खतरा पैदा हो सकता है।

40,658 मरीज उपचार पर

वर्तमान में एचआईवी एड्स के साथ जी रहे 40,658 लोगोंका उपचार चल रहा है। इसमें से33,247 मरीज (82%) फर्स्ट लाइन पर, 3618 मरीज (9%) दूसरे लाइन पर और 497 मरीज (1%) तीसरे लाइन की उपचार पद्धति पर हैं। इसके साथ ही 2,713 मरीज (7%) फर्स्ट लाइन की वैकल्पिक उपचार पद्धति पर और 583 मरीज (1.4%) दूसरे लाइन की वैकल्पिक दवाओं पर है।

मुंबई सेंट्रल और भिवानी के बीच सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन

बांद्रा टर्मिनस-उधना के बीच स्पेशल ट्रेन के फेरे विस्तारित

मुंबई। पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा और अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के लिए मुंबई सेंट्रल एवं भिवानी के बीच विशेष किराए पर सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन चलाने तथा ट्रेन संख्या 09055/09056 बांद्रा टर्मिनस-उधना स्पेशल के फेरों को विस्तारित करने का निर्णय लिया गया है। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार इन ट्रेनों का विवरण निम्नानुसार है।

ट्रेन संख्या 09001/09002 मुंबई सेंट्रल– भिवानी द्वि-साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल [10 फेरे]

ट्रेन संख्या 09001 मुंबई सेंट्रल-भिवानी सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को मुंबई सेंट्रल से 10.30 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 13.00 बजे भिवानी पहुंचेगी। यह ट्रेन 03 से 17 दिसंबर, 2024 तक चलेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09002 भिवानी-मुंबई सेंट्रल सुपरफास्ट स्पेशल प्रत्येक बुधवार और शनिवार को भिवानी से 14.45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 16.30 बजे मुंबई सेंट्रल पहुंचेगी। यह ट्रेन 04 से 18 दिसंबर 2024 तक चलेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरूच, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर, नीमच, चित्तौड़गढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, अजमेर, किशनगढ़, जयपुर, दौसा, बांदीकुई, अलवर, रेवाड़ी, कोसली और चरखी दादरी स्टेशनों पर रुकेगी।

ट्रेन संख्या 09055/09056 बांद्रा टर्मिनस-उधना स्पेशल का विस्तार

ट्रेन संख्या 09055 बांद्रा टर्मिनस-उधना स्पेशल, जिसे पहले 28 नवंबर, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, उसे अब 31 दिसंबर, 2024 तक विस्तारित कर दिया गया है। इसी तरह, ट्रेन संख्या 09056-उधना-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल, जिसे पहले 30 नवंबर, 2024 तक अधिसूचित किया गया था, उसे अब 31 दिसंबर, 2024 तक विस्तारित कर दिया गया है। ट्रेन संख्या 09001 की बुकिंग 01 दिसम्बर, 2024 से तथा ट्रेन संख्या 09055 एवं 09056 के विस्तारित फेरों की बुकिंग सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू है। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

स्पा सेंटर में चल रहा था देह व्यापार, पुलिस ने किया पर्दाफाश

मुंबई। लातूर में पुलिस ने एक सेक्स रैकट का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने लातूर के बारशी रोड इलाके में संचालित एक स्पा पर छापा मारकर दो महिलाओं को मुक्त कराया जबकि एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। स्पा सेंटर को सेक्स रैकेट के लिए मुखौटे के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था।

ग्राहक बनकर स्पा सेंटर में पहुंची पुलिस

एमआईडीसी पुलिस थाने के एक अधिकारी के अनुसार, 27 नवंबर को एक गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। सूचना की पुष्टि के लिए भेष बदलकर पुलिसकर्मी को वहां भेजा गया जिसके बाद स्पा पर छापा मारा गया।

न्यूज एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक छापे के दौरान, पुलिस ने मौके से दो महिलाओं को बचाया, जिन्हें कथित तौर पर अवैध गतिविधियों में धकेला जा रहा था। इसके साथ ही, एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है जो इस रैकेट में संलिप्त था। पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता और अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच जारी है और पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि इस अवैध गतिविधि से और कौन-कौन जुड़े हुए हैं।पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे ऐसी किसी भी ऐसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी दें ताकि इसे रोकने के लिए समय रहते कदम उठाए जा सके।

छत पर महिलाओं के सामने अश्लील हरकत,आरोपी गिरफ्तार

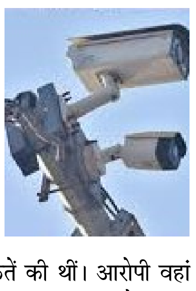

ठाणे। ठाणे जिले में शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां 20 साल का युवक एक हाउसिंग सोसाइटी में महिलाओं के सामने अश्लील हरकतें कर रहा था। यह घटना अक्टूबर माह की है, जिसकी शिकायत एक महिला ने पुलिस से की थी। महिला की शिकायत के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। एजेंसी के अनुसार, आरोपी युवक ने हाउसिंग सोसाइटी की छत पर जाकर महिलाओं के सामने अश्लील हरकतें की थीं। आरोपी वहां मास्टरबेट (Masturbate) करने लगा था। यह मामला तब सामने आया, जब सोसाइटी के सीसीटीवी फुटेज की जांच की गई। फुटेज में आरोपी की हरकतें कैद हो गईं थीं। इसके बाद शिकायत मिलने पर पुलिस ने कार्रवाई की और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।इस घटना को लेकर सोसाइटी के लोगों में डर और नाराजगी है। पुलिस ने बताया कि आरोपी को शुक्रवार को भिवंडी शहर के गैबिनगर इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ एक महिला ने शिकायत की थी, जिसके बाद मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ धारा 79 और 319 के तहत कार्रवाई की गई है। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। यह घटना सामने आने के बाद सोसाइटी में सनसनी फैल गई।

बाबा आढाव से मुलाकात के दौरान उद्धव का बड़ा ऐलान

पुणे। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता बाबा आढाव विधानसभा चुनाव में धांधली का संदेह जताते हुए पुणे में भूख हड़ताल पर बैठे हैं। शिव सेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने इस विरोध स्थल का दौरा किया। इस बैठक में उद्धव ठाकरे ने बाबा आढ़ाव से अपना आंदोलन छोड़ने की अपील की, जिसके बाद बाबा आढाव ने अपना अनशन छोड़ दिया। इस दौरे के दौरान उद्धव ठाकरे ने दर्शकों को संबोधित करते हुए चुनाव नतीजों को लेकर सरकार की कड़ी आलोचना की। आज की यात्रा मुझे जीवन भर याद रहेगी। मैं कई दिनों से सोच रहा था कि मेरा आशीर्वाद आएगा। आप आज भी हमें प्रेरणा देते हैं। सरकारी बेड़ा गर्क हो गया। विजेता भी यहीं आ रहे हैं और हारने वाले भी यहीं हैं। जीतने वाले भी इस परिणाम पर विश्वास नहीं करते और हारने वाले भी इस पर विश्वास नहीं करते। जीतने वाले हैरान हैं कि हम कैसे जीत गए और हारने वाले भी हमसे हैरान हैं।

पश्चिम रेलवे

विविध कार्य

उप मुख्य अभियंता (निर्माण), पश्चिम रेलवे, 8वीं मंजिल, स्टेशन भवन, चर्चगेट, मुंबई- 400 020 **ई-निविदा सूचना संख्या: उप मुख्य अभियंता (सी)/सीसीजी/349 दिनांक 28.11.2024 को आमंत्रित करता है. कार्य का नाम:** गोरेगांव से बोरीवली (एमयूटीपी 3ए) के बीच हार्बर लाइन के विस्तार के संबंध में गोरेगांव से बोरीवली स्टेशनों के बीच मौजूदा सेवा भवन को हटाना, नई सेवा भवनों का निर्माण, कवरशेड के साथ प्लेटफार्मों का निर्माण/विस्तार और अन्य विविध कार्य। **एनआईटी लागत:** 61,69,73,000.92. **बोली सुरक्षा:** 32,34,900/-. **बोली शुरू होने की तिथि:** 11.12.2024. **बोली जमा करने की अंतिम तिथि:** 25.12.2024, 15:00 बजे. **निविदा दस्तावेज खुलने की तिथि:** 25.12.2024, 15:30 बजे. अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0782

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे

मरम्मत कार्य

मंडल रेल प्रबंधक (डब्ल्यूए) पश्चिम रेलवे, 6वीं मंजिल, इंजीनियरिंग विभाग, मुंबई सेंट्रल, मुंबई 400 008,आमंत्रित करता है **क्र.न:1.ई-टेंडर नोटिस क्रमांक: बीसीटी/24-25/220 दिनांक 28/11/2024. कार्य और स्थान: विरार-जोरावासन सेक्शन:** सीनियर डीईएन/एन/मुंबई सेंट्रल सेक्शन के तहत 2 वर्षों के लिए दिन-प्रतिदिन की आवश्यकता के आधार पर मरम्मत. **कार्य की अनुमानित लागत:** 2,14,29,183.51. **ईएमडी:** 2,57,200/- **क्र.न.2.ई-टेंडर नोटिस क्रमांक: बीसीटी/24-25/221 दिनांक 28/11/2024.*कार्य और स्थान: विरार-जोरावासन खंड:** एसएसई (पी.वे), वापी खंड के अंतर्गत 2 वर्ष की अवधि के लिए पी.वे की मरम्मत. **कार्य की अनुमानित लागत:**7,31,14,718.14. **ईएमडी:** 5,15,600/-. उपरोक्त दोनों निविदाएं प्रस्तुत करने **की तिथि और समय:** 24.12.2024, 15:00 बजे तक. **खुलने की तिथि और समय:** 24.12.2024 को 15:30 बजे। अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0780

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे मुंबई सेंट्रल भिवानी के बीच सुपरफास्ट विशेष ट्रेन चलाएगा

ट्रेन संख्या	प्रारंभिक स्टेशन और गंतव्य	सेवा की तिथियां	प्रस्थान	आगमन
09001	मुंबई सेंट्रल - भिवानी (द्वि साप्ताहिक)	03.12.2024 से 17.12.2024	10:30 बजे (मंगल और शुक्र)	13:15 बजे (अगले दिन)
09002	भिवानी -मुंबई सेंट्रल (द्वि साप्ताहिक)	04.12.2024 से 18.12.2024	14:45 बजे (बुध और शनि)	16:30 बजे (अगले दिन)

ठहराव: बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, भरुच, वडोदरा, रतलाम, मंदसौर,नीमच, चित्तौरगढ़, भीलवाड़ा, बिजयनगर, अजमेर,किशनगढ़, जयपुर, दौसा, बांदीकुई, अलवर,रेवाड़ी,कोसली और चरखी दादरी स्टेशन पर दोनों दिशाओं में।

संरचना: एसी 2-टियर, एसी 3-टियर क्लास कोचेस.

ट्रेन संख्या 09055/09056 बांद्रा टर्मिनस - उधना स्पेशल को 31.12.2024 तक विस्तारित किया गया है

ट्रेन संख्या 09001 की बुकिंग 01.12.2024 से शुरू होगी और ट्रेन संख्या 09055 और 09056 की विस्तारित यात्राओं की बुकिंग पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर खुली है। ठहराव और संरचना के समय के बारे में विस्तृत जानकारी के लिए, यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जा सकते हैं.

उपर्युक्त ट्रेनें विशेष किराए पर विशेष ट्रेनों के रूप में चलेंगी.

पश्चिम रेलवे

wr.indianrailways.gov.in

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly हमें फॉलो करें: X.com/WesternRly

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरण, बृहन्मुंबई

SRA/CO/OW/२०२४/६२६८४

सहकार कक्ष, झोपुप्रा, मुंबई,

जा.क्र. झोपुप्रा/सनिस/कार्यासन-१/टे.सी.४/सन २०२४

दिनांक: २८/११/२०२४

-: सर्वसाधारण सभेची नोटीस :-

(नियोजित) श्री कृष्णा एस.आर.ए. सहकारी गृहनिर्माण संस्था, न.भू.क्र.४७१ (पार्ट), ८२४ (पार्ट), ८२८ (पार्ट), ८३४ (पार्ट), ८३६ (पार्ट), ८४२ (पार्ट), ८४३ (पार्ट), ८४४ (पार्ट), ८४५ (पार्ट), ८४७ आणि ८४८ ऑफ व्हिलेज कांदिवली, ता. बोरीवली, गांधी नगर, न्यु लिंक रोड, कांदिवली (पश्चिम), मुंबई-४०० ०६७ या संस्थेचे मुळ परिशिष्ट-२ व पुरवणी परिशिष्ट -२ मध्ये पात्र असणाऱ्या झोपडीधारकांची सहकारी गृहनिर्माण संस्था नोंदणी करण्यासाठी आवश्यक असणारी नोंदणीपूर्व सभा घेण्यासाठी मा. सहाय्यक निबंधक (पुर्व व पश्चिम उपनगरे), झो.पु.प्रा. यांच्या दिनांक १९ / ११ / २०२४ रोजीच्या आदेशान्वये माझी प्राधिकृत अधिकारी म्हणून नियुक्ती करण्यात आलेली आहे.

त्यानुसार योजनेतील पात्र झोपडीधारकांची सर्वसाधारण सभा झोपडपट्टी पुनर्वसन प्राधिकरणाकडील परिपत्रक क्र. १६९ (दिनांक ३१.१२.२०१५) नुसार **मंगळवार दि. १७ / १२ / २०२४ रोजी सकाळी १०.०० वाजता स्थळ:- लोहान बाळाश्रम हॉल, मथुरादास एक्सटेंशन रोड, अतुल टॉवरजवळ, कांदिवली (पश्चिम), मुंबई- ४०० ०६७** येथे आयोजित करण्यात आलेली आहे. सदरील सभेत खालील विषयावर चर्चा होवून निर्णय घेण्यात येणार आहे. तरी सदर सभेस पात्र झोपडीधारकांनी उपस्थित रहावे ही विनंती.

-: सभेचे विषय :-

१) मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची निवड करणे.
२) नियोजित संस्थेच्या नावास मान्यता घेणे व नांव आरक्षण प्रस्ताव दाखल करणेबाबत निर्णय घेणे.
३) संस्थेसाठी नविन उपविधी स्विकारण्यासाठी मंजूरी देणे.
४) संस्थेच्या नोंदणी प्रस्तावावर सहया करण्यासाठी मुख्यप्रवर्तक यांना अधिकार देणे.
५) भाग भांडवल व प्रवेश फी जमा करणेबाबत निर्णय घेणे.
६) संस्थेचे बँक खाते उघडण्यास मुख्यप्रवर्तक यांना प्राधिकृत करणे.
७) मागाहून पात्र होणाऱ्या झोपडीधारकांना संस्थेचे सभासद करुन घेणे अथवा अपात्र झोपडीधारकांचे सभासदत्व रद्द करण्याचे अधिकार कार्यकारी मंडळास देणे.

सही/-
(आर.एन.हळदे)
प्राधिकृत अधिकारी तथा
सहकारी अधिकारी श्रेणी-१, झोपुप्रा, मुंबई

ठिकाण: मुंबई
दिनांक: २८/११/२०२४

सूचना :

अ.क्र	वेळ	विषय
१)	सकाळी १०:०० ते ११:३० पर्यंत	बायोमेट्रीक
२)	११:३५ पासून सभेस सुरुवात	सभा संपेर्यंत

- मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक निवडणूकीचा कार्यक्रम खालीलप्रमाणे राहील.

अ.क्र.	वेळ	विषय
१)	सभेच्या दिलेल्या वेळेपासून अर्धा तास	मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांच्यासाठी नामनिर्देशन अर्ज दाखल करणे.
२)	१५ मिनिटे	आलेल्या अर्जांची छाननी करणे.
३)	१५ मिनिटे	नामनिर्देशन पत्र परत घेणे.
४)	१५ मिनिटे	पॅनलची मागणी करणे.
५)	पुढील अर्धातास	चिन्ह वाटप करणे.

- मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक या पदासाठीचे विहीत अर्ज प्राधिकृत अधिकारी यांच्याकडे उपलब्ध असतील.
- मुख्यप्रवर्तक पदासाठी एक मतपत्रिका व प्रवर्तक मंडळातील सदस्यांसाठी एक मतपत्रिका अशा एकूण ०२ मतपत्रिका राहतील.
- विषय पत्रिकेवरील विषय क्र. १ नुसार मुख्यप्रवर्तकाची निवड होईपर्यंत सभेचे प्राधिकृत अधिकारी अध्यक्ष म्हणून काम पाहतील त्यानंतर मुख्यप्रवर्तक हे सभा अध्यक्ष म्हणून काम पाहतील. (सदरील सभेत विषय पत्रिकेवर दिलेल्या विषयाशिवाय अन्य विषयावर चर्चा करता येणार नाही)
- सभेस नियोजित संस्थेच्या मंजूर परिशिष्ट - २ मधील पात्र झोपडीधारक पती / पत्नी या दोघांपैकी एकाच व्यक्तीस उपस्थित राहता येईल. इतर नातेवाईकांना अथवा प्रतिनिधींना उपस्थित राहता येणार नाही.
- मंजूर परिशिष्ट - २ मधील व्यक्तींनी स्वतःची ओळख होईल अशा ओळखपत्रासह (आधार कार्ड/ निवडणूक ओळखपत्र / पॅनकार्ड इत्यादी) उपस्थित रहावे.
- नियुक्त गटप्रमुख सभासदांना सभागृहात प्रवेश देते वेळी त्यांनी त्यांची ओळख पटवून सभेच्या उपस्थिती नोंदवहीत स्वाक्षरी करुन व बायोमॅट्रीक पध्दतीने उपस्थिती नोंदविल्यानंतरच सभागृहात प्रवेश दिला जाईल.
- सभेच्या कामकाजाचे प्राधिकरणामार्फत व्हिडीओ चित्रिकरण करण्यात येईल.
- मुख्यप्रवर्तक व इतर प्रवर्तक यांची एकूण संख्या सहकारी गृहनिर्माण संस्थांच्या आदर्श उपविधीमध्ये निश्चित केल्याप्रमाणे राहील.
- सदरहू सभेची नोटीस संस्थेच्या सर्व पात्र झोपडीधारकांना पोहोच करण्याची जबाबदारी सर्वस्वी संस्थेची राहिल

मध्य रेल

OPEN TENDER NOTICE NO. PUNE_ ELECT_COG_2024-03R1, DATE: 03.12.2024

वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (सामान्य), पुणे, निम्नलिखित कार्य के लिए ऑनलाइन खुली ई-निविदाएँ आमंत्रित करता है। **पुणे मंडल के लिए दो साल की अवधि के लिए मेल / एक्सप्रेस ट्रेनों के एलएचबी प्रकार के एसी कोचों में लगे LHB RMPU का व्यापक वार्षिक रखरखाव अनुबंध। अनुमानित लागत:** रु. 3,35,59,943/-. **बोली सुरक्षा:** रु. 3,17,800/-. **समापन की तिथि और समय:** 03.01.2025, 12:00 बजे। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं।

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है DE-39

पश्चिम रेलवे

लिफ्टों का प्रतिस्थापन

सीनियर डीईई/पी/मुंबई सेंट्रल, मुंबई ई-टेंडर संख्या. ईएल-166-147-डब्ल्यूए-48 दिनांक 27/11/2024 आमंत्रित करता है. कार्य और स्थान: मुंबई डिवीजन- लिफ्टों का प्रतिस्थापन (बांद्रा पाली हिल में सी ब्लॉक के बी ब्लॉक, सी1 और सी2 और चर्चगेट में ओआरएच लिफ्ट और मरीन लाइन्स ओआरएच में नई लिफ्ट प्रदान करना. कार्य की **अनुमानित लागत:** 1,64,43,553.24. **बोली सुरक्षा ईएमडी की लागत:** 2,32,200/-. **जमा करने की तिथि और समय:** 26.12.2024, 15:00 बजे तक. **खोलने की तिथि और समय:** 26.12.2024 को 15:30 बजे.अधिक जानकारी के लिए कृपया हमारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं। 0776

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

मध्य रेल

OPEN TENDER NO.: DRM-W-PA-E-TEND-2024-NE-9, DATE: 29.11.2024

मंडल रेल प्रबंधक (कार्य), पुणे निम्नलिखित कार्य के लिए खुली ई-निविदाएँ आमंत्रित करता है। **(ए)** दौंड - मनमाड सेक्शन में काष्टी, श्रीगोंदा, बेलवंडी, विसापुर, रांजणगाव सारोला, अकोलनेर, अहमदनगर, विलाड, वांबोरी और राहुरी, स्टेशन पर क्वार्टरों की मरम्मत। **(बी)** दौंड - दौंड स्टेशन पर 110 क्वार्टरों की मरम्मत। **लागत:** 2,67,34,066.58 रुपये। **बोली सुरक्षा:** 2,83,700/- रुपये। **पूरा होने की अवधि:** 09 महीने। **अंतिम तिथि और समय:** 24.12.2024 के 15.15 बजे तक। अधिक जानकारी के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर जाएं।

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है DE-40

मध्य रेल

ओएचई संशोधन कार्य

खुली निविदा सूचना स. BBLD. 585. W. 856. CONTR4 दिनांक 28.11.2024. कार्य का नाम: कलवा-मुंब्रा सेक्शन के बीच किमी 39/320 के न्यूट्रल सेक्शन की शिफ्टिंग डाउन थ्रू लाइन पर करने के कार्य संबंध में ओएचई संशोधन कार्य। **अनुमानित लागत:** ₹66,31,128/-. **बिड सिक्योरिटी:** ₹ 1,32,600/-. **ऑफर की वैधता:** 60 दिन. **समापन अवधि:** 8 मही. **निविदा फार्म का मूल्य:** 0. **I) उक्त निविदा का, निविदा बंद करने की तारीख और समय : दिनांक 30.12.2024 को 11.00 बजे तक, और 11.00 बजे के बाद खोला जाएगा। II)** शुध्दिपत्रक के विवरण हेतुं अग्रदर्शी निविदाओं के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर भेट देने का अनुरोध है। **III)** केवल वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के माध्यम से उपर्युक्त इलेक्टॉनिकलि ई- टेन्डर में निविदाधारक सहभाग ले सकते है और ई- टेन्डर के अलावा हस्तचलित प्रस्तुत करने का निवेदन देने की अनुमति नही है। हस्तचलित रूप से, यदि निविदा खुलने के बाद की प्रस्तुति का विचार नही किया जाएगा। **IV)** निविदा दस्तावेज में दिए गए विवरण के अनुसार बिड सिक्योरिटी का भुगतान किया जाना चाहिए। **V)** अतिरिक्त जानकारी के लिए संपर्क वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्सभवन, सीएसएम टी मुंबई - 400001. फोन - 022-22612355. निवीदाओं संबंधी संपूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदा संबंधी संपूर्ण विवरण वरिष्ठ मंडल विदयुत अभियंता (कर्षण वितरण), दूसरी मंजील, एनेक्स भवन, सीएसएम टी मुंबई - 400001 के "नोटिस बोर्ड" पर भी उपलब्ध है। DE-575

रेल्वे फाटक को बंध स्थिति में पार करना मना है

संपादकीय

खेलने की उम्र में ब्याह

इक्कीसवीं सदी के भारत में यदि हर पांच में से एक लड़की का विवाह 18 साल से कम उम्र में हो जाए तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। पिछले एक वर्ष में दो लाख बाल विवाह कानून की सख्ती से रोके गए। निश्चित रूप से बाल विवाह मानवाधिकारों का उल्लंघन ही है। जिससे बच्चियां ताउम्र पढ़ाई से वंचित हो जाती हैं और उनका शारीरिक व मानसिक विकास अवरुद्ध हो जाता है। सही मायनों में बाल विवाह कुपोषण एवं गरीबी का ऐसा चक्र पैदा करता है जिसकी कीमत राष्ट्र को चुकानी पड़ती है। चौंकाने वाले आंकड़े हैं कि पश्चिम बंगाल, बिहार व त्रिपुरा में 40 फीसदी लड़कियों के विवाह 18 साल से पहले हो जाते हैं। यही वजह है कि केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्रालय ने बाल विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरुआत की है। दरअसल, यह शुरुआत उन राज्यों को लेकर की गई है,जहां बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। तथ्य यह भी कि समाज में गरीबी और बाल विवाह में सीधा रिश्ता है। एक अध्ययन के अनुसार 75 फीसदी बाल विवाह गरीब परिवारों में होते हैं। जो कालांतर गरीबी के नये दुश्चक्र को जन्म देते हैं। निश्चित रूप से हमारे समाज में गरीबी व रूढ़िवाद के चलते इस कुप्रथा को बल मिलता है। अध्ययन इस बात की पुष्टि करते हैं कि संपन्न, शिक्षित और प्रगतिशील समाजों में बाल विवाह के मामले सामान्यतः नजर नहीं आते। वहीं दूसरी ओर लिंगभेद की सोच भी इन विवाहों को बढ़ावा देती है। अभिभावक विषम परिस्थितियों के चलते अल्पवयस्क लड़कियों का विवाह करके जल्दी अपनी जिम्मेदारियों से मुक्त होना चाहते हैं। यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि स्वतंत्रता से पूर्व देश में वर्ष 1929 में बाल विवाह निषेध कानून बनने के बावजूद इस कुप्रथा पर अंकुश क्यों नहीं लग पाया। पहले धारणा थी कि असुरक्षाबोध के चलते बाल विवाह को बढ़ावा मिलता रहा है। कम से कम स्वतंत्र भारत में बाल विवाह की सोच नहीं रहनी चाहिए थी। निस्संदेह, राजग सरकार के दौरान बाल विवाह उन्मूलन के लिये सार्थक प्रयास किए गए। हालिया बाल विवाह मुक्त अभियान की शुरुआत से पहले भी सरकार ने इस दिशा में पहल की थी। इससे पहले वर्ष 2006 में बाल विवाह कानून में सुधार किया गया। इसमें लड़कों के विवाह की उम्र 21 व लड़कियों के विवाह की उम्र 18 वर्ष कर दी गई थी। वहीं वर्ष 2021 में राजग सरकार ने 2006 के कानून में सुधार करके लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल करने का प्रस्ताव किया था। यूनिसेफ की एक रिपोर्ट भारत में 40 फीसदी के करीब लड़कियों के 18 साल से कम उम्र में विवाह होने की बात कहती है। वहीं नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो और नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे हर रोज चार हजार से अधिक बाल विवाह होने का उल्लेख करते हैं। बाल विवाह उन्मूलन की दिशा में असम सरकार की सफलता का अकसर जिक्र होता है, जहां आंकड़ों में तेजी से गिरावट आई है। केंद्र सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2029 तक बाल विवाह की दर को पांच फीसदी से नीचे लाया जाए। निस्संदेह, बाल विवाह जहां बच्चियों के मौलिक अधिकारों का हनन है, वहीं उनकी शारीरिक व मानसिक क्षमताओं को भी कमतर करता है। इससे जहां लड़कियों के अधिकारों का अतिक्रमण होता है, वहीं उनके शोषण का भी खतरा रहता है। पढ़ाई बीच में छूट जाने से उनके सपने मर जाते हैं। वहीं दूसरी ओर कम उम्र में शादी और बच्चे होने से उनको स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। पूरी पढ़ाई न होने तथा नौकरी न कर पाने की स्थिति में वे आर्थिक रूप से पतियों पर आश्रित हो जाती हैं। जिससे उनका स्वाभाविक विकास नहीं हो पाता। जिसके चलते अकसर भावनात्मक विभेद का सामना भी करना पड़ता है। बाल विवाह का होना यह भी बताता है कि हमारे समाज में अभी दहेज प्रथा का दबाव कम नहीं हुआ है। जिससे बचने के लिये अभिभावक तुरत-फुरत अल्पवयस्क लड़कियों की शादी कर देते हैं। लेकिन एक हकीकत यह भी कि सिर्फ कानून बनाने से ही इस कुरीति पर अंकुश नहीं लगाया जा सकता, समाज में जागरूकता लाने के लिये भी राष्ट्रव्यापी अभियान चलाना होगा।

शख्सियत | काका कालेलकर

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और लेखक

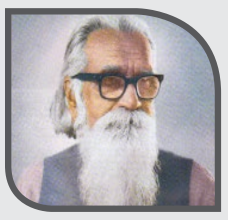

काका कालेलकर, जिनका असली नाम राजेन्द्र प्रसाद कालेलकर था, भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक प्रमुख नेता, साहित्यकार और समाजसेवी थे। उनका जन्म 1 दिसंबर 1894 को महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले में हुआ। वे स्वतंत्रता संग्राम के दौरान महात्मा गांधी के नजदीकी सहयोगी रहे और भारतीय समाज में सामाजिक सुधारों की दिशा में उनके योगदान के लिए प्रसिद्ध थे।

काका कालेलकर ने अपनी शिक्षा मुंबई विश्वविद्यालय से प्राप्त की और जल्दी ही उन्होंने भारतीय समाज के सुधार के लिए काम करना शुरू कर दिया। वे गांधीजी के विचारों से गहरे प्रभावित थे और उनके साथ मिलकर उन्होंने कई सामाजिक आंदोलन चलाए। उन्होंने विशेष रूप से हिंदू धर्म में जातिवाद और अस्पृश्यता के खिलाफ आवाज उठाई और समाज के पिछड़े वर्गों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया।

काका कालेलकर की लेखनी भी समाज सुधार और स्वतंत्रता संग्राम के प्रति उनके दृष्टिकोण को व्यक्त करती थी। वे एक सक्षम पत्रकार और लेखक थे, जिन्होंने अपने विचारों और विचारधारा को कई पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से समाज के सामने रखा। उनका प्रसिद्ध लेखन ₹गांधीजी के आदर्श₹, 'समाज सुधार' और 'भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की कथा' है। वे एक महान कवि भी थे और उनकी रचनाओं में भारतीय संस्कृति, समाज और स्वतंत्रता संग्राम का गहरा प्रभाव दिखता है। काका कालेलकर ने अपनी ज़िन्दगी को न केवल स्वतंत्रता संग्राम में समर्पित किया बल्कि भारतीय समाज की सामाजिक और सांस्कृतिक उन्नति में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। काका कालेलकर का निधन 13 जून 1981 को हुआ, लेकिन उनके विचार और कार्य आज भी भारतीय समाज में प्रासंगिक हैं। उनका जीवन समर्पण, संघर्ष और समाज सुधार की प्रेरणा देता है।

जलवायु संरक्षण की आधी-अधूरी कोशिशें

बाकू में संपन्न जलवायु वार्ता का नवीनतम दौर (कॉप-29) एक विवादित समझौते के साथ समाप्त हुआ। उम्मीद थी कि इसमें मुख्य विषय जलवायु सुधार के वास्ते वित्तीय प्रबंधन पर केंद्रित रहेगा। यह संदर्भ स्थानीय, राष्ट्रीय या अंतर्राष्ट्रीय वित्तपोषण को लेकर है ताकि जलवायु परिवर्तनों पर लगाम लग पाए और सुधार कार्य अपनाए जाएं। दशकों से, विकासशील देश जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने में प्रभावी उपाय करने के वास्ते अतिरिक्त धन की मांग करते आए हैं।

विकासशील देश चाहते हैं कि अमीर देश अधिक जिम्मेदारी उठाएं क्योंकि वर्तमान संकट के लिए मुख्य रूप से जिम्मेवार वही हैं। औद्योगिक क्रांति के बाद से उत्तरी गोलार्ध के देशों से हुआ ऐतिहासिक उत्सर्जन ही जलवायु संकट का कारण बना है। जलवायु परिवर्तन सुधार फंड की मात्रा और इसका स्रोत लंबे समय से विकसित और विकासशील देशों के बीच विवाद का विषय रहा है।

इस पृष्ठभूमि के परिप्रेक्ष्य में, बाकू वार्ता में एक अच्छा समझौता बनने की आशा जगी थी। वार्ता के निष्कर्ष में, विकासशील देशों को हर साल जलवायु सुधार के लिए, 2035 तक, कम-से-कम 300 बिलियन डॉलर देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। यह धन विभिन्न स्रोतों से आएगा- इसमें सार्वजनिक, निजी, द्विपक्षीय, बहुपक्षीय और वैकल्पिक स्रोत भी शामिल हैं। इस वित्तपोषण को उपलब्ध कराने में विकसित देश अग्रणी भूमिका निभाएंगे और विकासशील देशों को स्वेच्छा से योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

किंतु बाकू में निर्धारित वित्त लक्ष्य विकासशील देशों द्वारा मांगे गए धन और समय-सीमा से बहुत कम है- 2025 से विकसित देशों द्वारा हर साल इस मद में 1.3 ट्रिलियन डॉलर जुटाए जाने हैं। किंतु, न केवल यह आंकड़ा मांगी गई मात्रा से बहुत कम है बल्कि समय-सीमा भी बहुत दूर है। अब यह पैंतरा उत्तरी गोलार्ध मुल्कों की एक जानी-पहचानी रणनीति बन चुकी है कि किसी भी तत्काल प्रतिबद्धता से बचने के लिए एक कमजोर लक्ष्य और बहुत लंबी समय-सीमा तय कर देना। इसके अलावा, जिस वित्तपोषण का वादा किया गया है वह केवल अमीर मुल्कों से नहीं आएगा। विकासशील देशों को भी इसमें योगदान देना होगा। जाहिर है, इस प्रावधान ने विकासशील देशों को परेशान कर डाला है। वार्ता के अंत में, भारत, बोलीविया और नाइजीरिया ने इस लचर संधि पर अपनी चिंता व्यक्त की, जिसे आधिकारिक तौर पर 'जलवायु वित्त हेतु नवीन सामूहिक मात्रा निर्धारण लक्ष्य' का नाम दिया गया है। भारत ने कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज (कॉप) के अध्यक्ष पर संयुक्त राष्ट्र के तत्वावधान में निहित बहुपक्षीय वार्ता के मानदंडों का पालन किए बिना समझौते को आगे बढ़ाने का भी आरोप लगाया है।

विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने के लिए वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी की जरूरत है। इसके शमन के लिए धन की आवश्यकता है- उत्सर्जन को महत्वपूर्ण रूप से कम करने के लिए बड़े पैमाने पर निवेश की आवश्यकता पड़ेगी। यानी अक्षय ऊर्जा परियोजनाएं, ऊर्जा दक्षता, जीवित प्राकृतिक संसाधन और भूमि उपयोग का प्रबंधन, थलीय और जलीय जैव विविधता की सुरक्षा, स्वच्छ परिवहन आदि का इंतजाम करने वास्ते धन उपलब्धता।

अतिरिक्त धन की दूसरी प्रमुख आवश्यकता अनुकूलन करने के वास्ते है- प्रतिकूल प्रभावों को अनुकूल बनाना और बदलती जलवायु के प्रभावों को

दिनेश सी. शर्मा

कम करने के लिए आवश्यक संसाधन जुटाना। उदाहरण के लिए, इसमें शामिल हैं : तूफान और बाढ़ का सामना करने लायक बुनियादी ढांचे के निर्माण के लिए धन की जरूरत, वर्तमान बुनियादी ढांचा ऊपर उठते समुद्र तल से दूर स्थानांतरित करना, सूखे का सामना करने लायक फसलों के बीज विकसित करना और इनका वितरण। इसके अलावा, 'हानि एवं नुकसान' नामक तीसरी कार्रवाई के लिए धन की आवश्यकता है ताकि जलवायु परिवर्तन के कारण होने वाली प्राकृतिक आपदाओं से निपटने में देशों को हुए नुकसान की भरपाई हो सके।

पिछले कुछ वर्षों में, जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र फ्रेमवर्क कन्वेंशन (यूएनएफसीसीसी) के तहत जलवायु वित्त के लिए अनेकानेक तंत्र और कोष बनाए गए हैं। इनमें वैश्विक पर्यावरण सुविधा, हरित जलवायु कोष, विशेष जलवायु परिवर्तन कोष, अल्प विकसित देशों का कोष, अनुकूलन कोष आदि शामिल हैं। हालांकि, हकीकत यह है कि विकासशील देशों को उपलब्ध करवाई जाने वाली इन निधियों में धन की आमद बहुत कम रही है। उदाहरणार्थ, ग्रीन क्लाइमेट फंड ने 2020-23 की अवधि के दौरान 129 विकासशील देशों में 243 परियोजनाओं के वास्ते कुल 13.5 बिलियन डॉलर देना मंजूर किया। अनुकूलन कोष ने 2010 से कई विकासशील देशों में 183 अनुकूलन परियोजनाओं के लिए 1.2 बिलियन डॉलर देने की प्रतिबद्धता जताई थी। वहीं अन्य तंत्रों से धन का प्रवाह और भी कम है।

बाकू जलवायु समझौते से जलवायु परिवर्तन का कोई हल निकलेगा, इसकी संभावना नगण्य थी, क्योंकि वास्तविक धन उपलब्ध नहीं है। कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि जारी है और जीवाश्म ईंधन से दूर जाने की दिशा में शायद ही कोई प्रगति हुई है। दुबई में हुए कॉप-28 में कोयला, तेल और गैस आधारित ऊर्जा से धीरे-धीरे परे हटने का आह्वान किया गया था। लेकिन इस आह्वान को मूर्त देने में बाकू में आगे कोई कदम नहीं उठाया गया। इसलिए, अगले कॉप सम्मेलन तक सब कुछ पूर्ववत् चलता रहेगा।

जीवन मंत्र | श्री श्री रविशंकर

भक्ति और संस्था

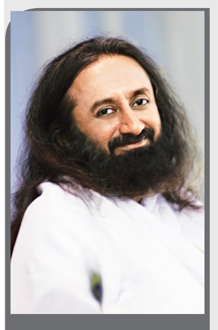

स्वभाव से भक्ति और संस्था दोनों विपरीत हैं, किंतु ये दोनों अलग भी नहीं हो सकते।

इरादे हमें तनाव में रखते हैं। तनाव में कभी गहन विश्राम नहीं होता। भक्ति इरादों को विलीन करती है। इरादे आपको भविष्य में धकेलते हैं, परंतु आनंद हमेशा वर्तमान में है। जो इस सत्य के प्रति जागरूक हो जाए, वह ज्ञानी है। कभी यदि परमानंद की अवस्था में कोई इरादा उत्पन्न हो भी जाए, तो अप्रयास ही साकार हो जाता है। प्रार्थना स्वीकार होने के लिए तीव्र आकांक्षा की आवश्यकता है। आकांक्षा जितनी अधिक तीव्र होगी और उसके पूर्ण होने में जितनी देरी लगेगी, कृतज्ञता का भाव उतना ही अधिक होगा। तीव्र आकांक्षा आपको भक्ति की ओर ले जाती है। आकांक्षा के तीव्र होने के लिए समय और प्रयोजन की आवश्यकता है। जब किसी तीव्र आकांक्षा की पूर्ति होती है, तब कृतज्ञता का भाव इतना विह्वल कर देता है कि उसकी पूर्ति का महत्व और आकर्षण खो जाता है। बहुधा लोग अपने को भाग्यहीन समझते हैं, यदि उनकी इच्छाएं शीघ्रता से पूर्ण नहीं होतीं। तीव्र आकांक्षा आपको हताश कर सकती है या प्रार्थनाशील बना सकती है। प्रार्थनाशीलता में भक्ति और कृतज्ञता है। कोई भी गहन अनुभूति आपको संपूर्ण बनाती है। दिव्यता की प्राप्ति आपकी उत्कंठा की तीव्रता पर निर्भर है, इस पर नहीं कि आप कितना समय देते हैं या आपकी योग्यता क्या है? गांवों में एक कहावत है कि फूल तोड़ने में भी कुछ वक्त लग सकता है, परंतु ईश्वर को पाने में कोई समय नहीं लगता। केवल आपकी उत्कंठा में तीव्रता होनी चाहिए। याद रखिए, इच्छा और उत्कंठा में अंतर है। इच्छा दिमाग का ज्वर है, उत्कंठा हृदय की पुकार है।

इसी तरह, संस्था व्यवस्था है और भक्ति अव्यवस्था। संस्था में छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देना पड़ता है, एक भौतिक सजगता की आवश्यकता होती है; संस्था का मतलब है सांसारिकता। भक्ति है खो जाना, संसार को भुला देना और आनंद में रहना। स्वभाव से भक्ति और संस्था दोनों विपरीत हैं, किंतु ये दोनों अलग भी नहीं हो सकते।

एक-दूसरे के बिना इनका अस्तित्व ही नहीं। भक्ति के बिना कोई भी संस्था नहीं बन सकती। भक्ति आपमें निष्ठा, अनुकंपा और उत्तरदायित्व लाती है। जब आप परवाह करते हैं, जिम्मेदारी महसूस करते हैं, ज्ञान और प्रेम बांटना चाहते हैं, तब संस्था उत्पन्न होती है। भक्ति द्वारा ही संस्था विद्यमान रहती है।

यदि आप भक्त हैं, तो बैठे नहीं रहेंगे। भक्ति का स्वभाव है कुछ देना। आप भक्त हैं, लेकिन संसार की परवाह नहीं कर रहे, तो आप स्वार्थी हैं। सच्ची भक्ति का अर्थ है, ईश्वर के साथ एक हो जाना और ईश्वर तो सारे संसार का ध्यान रखते हैं। व्यवस्था करने में प्रायः आप भक्ति खो देते हैं और अक्सर भक्ति के नाम पर कुछ गड़बड़ करते हैं या संस्था की उपेक्षा करते हैं। भक्ति व संस्था, दोनों में होने के लिए आपको संत होना पडेग़ा।

जीवन ऊर्जा

सारा सिल्वरमैन : जन्म - 1 दिसंबर 1970 | जन्म

सारा सिल्वरमैन का जन्म 1 दिसंबर 1970 को हुआ। वह एक प्रसिद्ध अमेरिकी हास्य कलाकार, अभिनेत्री और लेखिका थीं। अपने बेबाक और हास्यपूर्ण अंदाज से उन्होंने सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर गहरी छाप छोड़ी। उनकी मृत्यु 30 नवंबर 2024 को हुई। उनकी रचनात्मकता और योगदान हमेशा याद किए जाएंगे।

हर दिन कुछ नया सीखने का अवसर है

अपने डर को अपने विकास का मार्गदर्शक बनने दो। असफलता कोई अंत नहीं, यह एक नई शुरुआत है। हमेशा अपनी सच्चाई पर विश्वास करो। आत्म-प्रेम सफलता की कुंजी है। छोटे कदम भी बड़ी मंजिल तक ले जाते हैं।

खुशियां बाहरी चीजों में नहीं, अपने अंदर खोजो। हर दिन कुछ नया सीखने का अवसर है। आलोचनाओं को अपने हौसले की सीढ़ी बनाओ। सपने देखने से मत डरो, उन्हें पूरा करने की हिम्मत रखो। अपनी ताकत पहचानो और उसे निखारो। मुश्किलें हमारे चरित्र की परीक्षा लेती हैं। जीवन में हास्य का महत्व

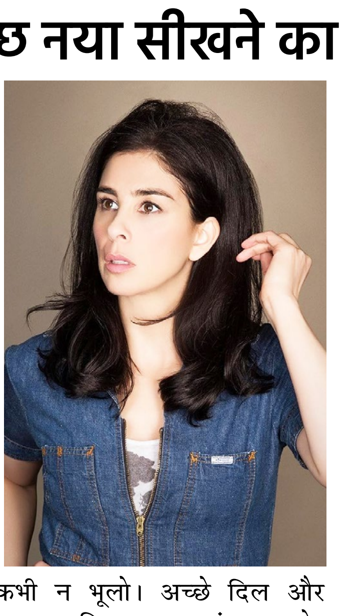

कभी न भूलो। अच्छे दिल और मजबूत दिमाग का संगम बनो। संघर्ष के बिना सफलता अधूरी है। आज के प्रयास ही कल का आधार हैं। अपनी गलतियों से सीखो और आगे बढ़ो। हर दिन अपने सपनों की दिशा में एक कदम बढ़ाओ। खुद को दूसरों से तुलना करने से बचो। सकारात्मक सोच से हर समस्या का हल निकलता है।

जीवन में छोटी-छोटी खुशियों का आनंद लो। दूसरों को माफ करना अपने दिल को हल्का करता है। जीवन का हर पल कीमती है, इसे व्यर्थ न जाने दो। अपनी सीमाओं को चुनौती देने से कभी न डरें। सच्चा सुख दूसरों की मदद में है। जो चीजें आपको खुश करती हैं, उनका पीछा करो।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

अपनी मनोकामना नंदी के कान में क्यों कहते हैं ?

हम सब ने अक्सर ये देखा है कि महादेव की पूजा के बाद अक्सर हम सब अपनी इच्छा मनोकामना उनके वाहन नंदी के कान में कहते हैं और घर चले आते हैं। क्योंकि हमारी मान्यता है कि नंदी के कान में कही हमारी मनोकामना अवश्य पूर्ण होगी। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर इसका कारण क्या है ।

असल में इसके तार एक पौराणिक कथा से जुड़ते हैं असल में महादेव के वाहन नंदी ऋषि शिलाद के पुत्र थे। कहा जाता है कि ऋषि शिलाद निःसंतान थे जिन्होंने संतान हेतु वर्षोंवर्ष तक महादेव की तपस्या की। उसकी तपस्या से प्रसन्न होकर जब महादेव प्रकट हुए और उन्हें वरदान मांगने को कहा तो उन्होंने एक पुत्र की कामना की।

कैसा पुत्र चाहिए के जबाब में उन्होंने बताया कि वे तो कृषक हैं जिस कारण उन्हें बैल बेहद पसंद हैं इसीलिए उन्हें वैसा ही पुत्र चाहिए। साथ ही वो अपने पिता की ही तरह शिवभक्त भी होना चाहिए। महादेव ने उन्हें इच्छानुसार

वरदान दे दिया और इस तरह नंदी जी का जन्म हुआ। परंतु जन्म से ही नंदी महादेव के परम भक्त थे और धीरे-धीरे उनकी भक्ति इतनी बढ़ी कि नंदी महादेव की सेवा करने कैलाश पर्वत चले गए। जहाँ महादेव ने उन्हें अपना परमभक्त मानते हुए अपने वाहन के रूप में स्वीकार कर लिया। परंतु कुछ समय बाद ऋषि शिलाद को अपने पुत्र नंदी की बहुत याद आने लगी और वे महादेव से अपने पुत्र को मांगने कैलाश पर्वत जा पहुंचे।

कैलाश में महादेव ने ऋषि शिलाद की व्यथा को देखते हुए नंदी को अपने पिता के साथ जाने का आदेश दे दिया और बेमन से नंदी जी को अपने पिता के साथ जाना पड़ा। लेकिन अपने पिता के साथ जाने के उपरांत भी नंदी जी की भक्ति कम नहीं हुई बल्कि वे हमेशा महादेव की याद में खोए रहने लगे जिससे उनकी हालत बिगड़ने लगी। उनकी ऐसी स्थिति देखकर उनके पिता ऋषि शिलाद ने पुनः महादेव का आह्वाहन किया और उन्हें स्थिति बताते हुए अपने पुत्र नंदी को एक बार फिर से महादेव की सेवा में सुपुर्द कर दिया। परंतु नंदी के मन में एक पश्चाताप सा था कि उनसे इतने दिनों तक महादेव का साथ कैसे छूट गया। उनके मन की भावना को समझते हुए महादेव ने उन्हें दिलासा देते हुए बताया कि उनके प्रेमभाव में जरा किंचित मात्र भी अंतर नहीं आया है

और वे वरदान देते हैं कि उनसे की जाने वाली हर मनोकामना नंदी के माध्यम से होकर ही जा पाएगी।

अर्थात कोई महादेव से सीधे मनोकामना करें या फिर नंदी से करें

इसमें कोई भेद नहीं होगा। उसी समय से अपनी मनोकामना नंदी के कान में कहने की शुरुआत हुई।

ऊंहर हर महादेव

जय श्रीमहाकाल

वैसे एक अन्य मान्यता के अनुसार चूँकि महादेव हमेशा तपस्या में लीन रहते हैं। इसीलिए हम सामान्य जन अपनी मनोकामना उनके वाहन सह द्वारपाल नंदी को बता देते हैं ताकि जब महादेव तपस्या से जगें तो नंदी महादेव तक हमारी व्यथा पहुँचा सकें।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

सक्सेस मंत्र

हमारे जीवन में आने वाली असफलताएं हमें तजुर्बा देती हैं

इंसान जिंदगी में आगे बढ़ने के लिए बहुत मेहनत करता है। लेकिन जब वह सफल नहीं हो पता है तो निराश हो जाता है, मेहनत करना छोड़ देता है। इस बात को अगर दूसरे नजरिए से देखा जाए तो हमारे जीवन में आने वाली असफलताएं हमें तजुर्बा देती हैं और गलतियां करने से बचाती हैं। इसलिए इंसान को कभी मायूस नहीं होना चाहिए, उसे मेहनत करते रहना चाहिए। एक दिन ऐसा आएगा कि मेहनत का फल सफलता में बदल जाएगा। ऐसी ही कहानी है रोहित की। रोहित ने बड़े उत्साह से परीक्षा की तैयारी की। इसके बावजूद वह टॉप नहीं कर पाया और वह बहुत उदास व निराश रहने लगा। असफलता के गम में उसने पहले की तरह प्रयास करना छोड़ दिया। रोहित की इस परेशानी का पता जब उसके अध्यापक को पता लगा, जो उसके मार्गदर्शक थे तो उन्होंने एक दिन उसे अपने घर बुलाया। उन्होंने रोहित से परेशानी की वजह पूछी। रोहित ने उन्हें बताया की 'उसने दिन रात मेहनत की पर जैसा वो चाहता था वैसे नतीजे नहीं आए इसलिए वो हताश हो चुका है। रोहित की बात सुनने के बाद अध्यापक ने उसे अपने साथ बगीचे में चलने के लिए कहा। वो उसे टमाटर के पौधों के पास ले गए और बोले की इस टमाटर के इस खराब और मरे हुए पौधे को देखो।जब मैंने इस पौधे को बोया था तो मैंने इसे समय-समय पर सही मात्रा मे पानी दिया, खाद भी डाली और कीटनाशक का छिड़काव भी किया, पर फिर भी यह खराब हो गया। तो क्या?, रोहित बोला। इतनी सारी मेहनत, इतना पैसा और समय देने के बाद भी अगर जैसा रिजल्ट हम चाहते हैं वो न मिल पाए तो इतना सब कुछ करने से क्या फायदा है। इसी तरह तुमने मेहनत तो की पर टॉप नहीं कर पाए लेकिन इसका मतलब यह नहीं है की तुम्हारी दिन रात की मेहनत खराब गई और तुम असफल हो गए। परीक्षा देते समय कई चीजें मायने रखती हैं, जिसमें लिखने की स्पीड, तबीयत, मनोस्थिति और भी बहुत कुछ जो सिर्फ मेहनत का पैमाना नहीं है। जो तुमने सीखा वो जिंदगी के हर मोड़ पर काम आएगा । मेहनत करने के बावजूद मनचाहा न मिलने का मतलब यह नहीं है की आप असफल हो गए। इसका मतलब है की आपने सफलता तक पहुचने की एक और सीढ़ी चढ़ी है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

हिमाचल के आंचल में छुपे झीलों का सफर

भारत के आंचल में छुपा हिमाचल अपनी खूबसूरत पहाड़ों, सुरम्य घाटियों और झीलों के लिए जाना जाता है। यहां के खूबसूरत स्थल दुनिया भर में प्रसिद्ध है। यही वजह है कि यहां न केवल भारत से बल्कि दुनिया से पर्यटक घूमने आते हैं। अगर आपको पहाड़ों, जंगलों, बाजारों और पार्क पसंद है, तो हिमाचल आपके लिए बेस्ट जगह है। इस लेख में हम आपको हिमाचल के खूबसूरत झीलों के बारे में बताएंगे, जहां आप ट्रिप के साथ ट्रैक का मजा ले सकते हैं।

पराशर झील

हिमाचल प्रदेश में मंडी के पास पराशर झील एक बहुत ही खूबसूरत झील है। बड़े शहरों से दूर इस झील के आस-पास शांति का वातावरण फैला हुआ है। इस झील के चारो ओर आपको पेड़ नहीं नजर आएंगे, पर हरे-हरे घास इस झील की सुंदरता में चार चांद लगाते हैं। इस झील का छोटा सा द्वीप है जो टहला के नाम से मशहूर है। इसे टहला इसलिए कहा जाता है क्योंकि यह द्वीप पूरे साल टहलता रहता है। यहां कभी भी जाएं, ये द्वीप झील में अपनी जगह बदलता रहता है।

चंद्रताल झील

चंद्रताल झील की गिनती भारत की सबसे खूबसूरत झीलों में होती है। यही नहीं, ये झील अगर भारत के सबसे ऊंचाई वाली झीलों में भी शामिल है। इसका आकार अर्धचंद्राकार की तरह है जिसके कारण इसका नाम चंद्राताल झील पड़ा है। स्पीति घाटी के पहाड़ों के बीच खूबसूरती से बसी , चंद्रताल झील का मीठा पानी दुनिया भर से पर्यटकों को आकर्षित करता है।

गोविंद सागर झील

इस झील का नाम सिखों के दसवें गुरु गोविंद सिंह के नाम पर रखा गया है। यह एक विशाल जलाशय वाला झील है। नीले आसमान, छोटी-छोटी हरी भरी पहाड़ियों की गोद में बनी गोविंद सागर झील पर्यटकों को काफी आकर्षित करती है। स्पीड बोट और नौका सवारी की मदद से आप इस झील की सैर कर सकते हैं। इसके आसपास मौजूद किले, मंदिर और अन्य खूबसूरत जगहों का आनंद भी ले सकते हैं।

करेरी झील

करेरी झील एक प्रमुख दर्शनीय स्थल होने

के साथ मशहूर ट्रैकिंग स्थल भी है। इस झील में पानी बर्फ पिघलने से बनता है। इस झील की यात्रा आपको शानदार और शांत अनुभव देती है। दिसंबर से मार्च के सर्दियों के महीनों में यह झील बेहद आकर्षित करती हैं, क्योंकि तब यह जम जाती है और हवा के झोंकों की आवाज यहां की शांति में गुनगुनाहट का काम करती है। करेरी झील प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग के समान है।

खजियार झील

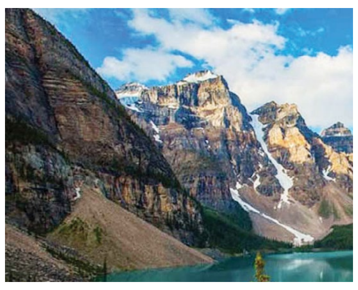

खजियार को मिनी स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। यहां चीड़, देवदार के पेड़, चारो तरफ फैली हरियाली आपको कैमरे में कैद करने के लिए मजबूर कर देगी। यहां की खूबसूरत वादियों के बीच आपको मानसिक सुकून देगी। झील के बीच में टापू नुमा दो जगहें हैं, जहां पहुंचकर पर्यटक और भी ज्यादा रोमांचित हो जाते हैं। वैसे तो यहां कई तरह के खेलों का आयोजन होता है, पर गोल्फ के शौकीनों के लिए यह एक आदर्श हिल स्टेशन है।

मणिमहेश झील

इस झील को लेकर ऐसी मान्यता है कि इसे भगवान शिव ने मां पार्वती के लिए बनाया था। यह झील की खूबसूरती किसी को भी

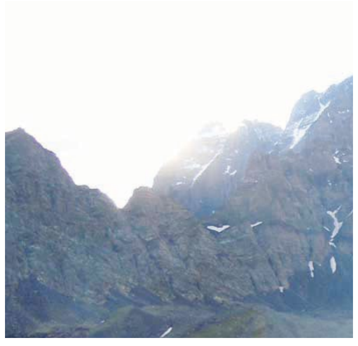

मंत्रमुग्ध कर देती है। यहां के पवित्र जल में डूबकी लगाने के लिए लाखो सैलानी इस झील का रुख करते हैं। इस झील तक पहुंचने के लिए पर्यटकों और तीर्थ यात्रियों को पहाड़ों और हरियाली के माध्यम से 13 किमी की पैदल दूरी तक की यात्रा करनी होती है। इस झील का वातावरण शुद्ध और पवित्र है, जहां तीर्थ यात्री श्रद्धा से सराबोर हो जाते हैं।

काठमांडू के खूबसूरत स्थल

नेपाल की राजधानी काठमांडू, हिमालय के शक्तिशाली निवास में शांति से बसा एक दिव्य गंतव्य है। पर्वत श्रृंखला की तलहटी में 4,600 फीट की ऊंचाई पर स्थित इस जगह का मौसम मनमोहक है जो मन और आत्मा दोनों को तरोताजा कर देता है। इसके अद्भुत प्राकृतिक वैभव, ठंडी जलवायु, मनमोहक संस्कृति और परंपराओं और विशिष्ट वास्तुकला से आकर्षित होकर दुनिया भर से यात्री यहां बड़ी संख्या में आते हैं। यहां प्रसिद्ध मंदिरों के अलावा कई महान बौद्ध मठ और स्तूप भी देखे जा सकते हैं जो इस क्षेत्र का एक बड़ा आकर्षण हैं।

अगर आप भी ऐतिहासिक इमारत, सुंदर संस्कृति, मनमोहक वातावरण आदि के साथ एक स्फूर्तिदायक छुट्टी एंजॉय करना चाहते हैं, तो काठमांडू एक ऐसा गंतव्य है जिसे हर किसी को अपने जीवनकाल में अवश्य देखना चाहिए। आइए जानते हैं यहां के कुछ प्रमुख स्थलों के बारे में।

बौद्धनाथ स्तूप

बौद्धनाथ स्तूप काठमांडू का सबसे पसंदीदा दर्शनीय स्थल है। यह बौद्ध धर्म को कई वास्तुशिल्प और संख्यात्मक श्रद्धांजलि देता है। विहंगम दृष्टि से, बौधा काठमांडू का नक्शा माउंट मेरु जैसा दिखता है - बौद्ध धर्म के अनुसार ब्रह्मांड के केंद्र में स्थित पौराणिक पर्वत। ध्यानमग्न बुद्ध की चार मूर्तियाँ मंदिर के चार प्रमुख बिंदुओं की रक्षा करती हैं। कहा जाता है कि बौधनाथ स्तूप की आंखें भगवान बुद्ध की दुनिया पर नजर रखने वाली आंखें हैं।

पशुपतिनाथ मंदिर

नेपाल की बागमती नदी के तट पर स्थित पशुपतिनाथ मंदिर हिंदुओं का प्रसिद्ध तीर्थ स्थान माना जाता है। भगवान शिव को समर्पित यह मंदिर हिंदुओं के बीच बहुत धार्मिक महत्व रखता है। विशाल प्राचीन मंदिर परिसर की उत्पत्ति 5वीं शताब्दी से हुई है और इसमें पगोडा शैली की वास्तुकला है। इसे प्रसिद्ध यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों में से एक घोषित किया गया है। पशुपतिनाथ को यहां जानवरों के देवता के रूप में माना जाता है और शक्ति के मर्दाना समकक्ष के रूप में उनकी पूजा की जाती है। आम धारणा यह है कि पशुपतिनाथ मंदिर के स्नान घाटों पर पवित्र स्नान करने से व्यक्ति जन्म के चक्र से मुक्त हो जाता है।

स्वयंभूनाथ मंदिर

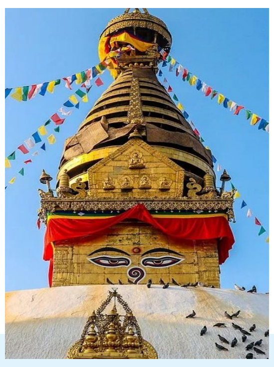

सेमगू पहाड़ी की चोटी पर स्थित, स्वयंभू मंदिर काठमांडू शहर के सबसे महत्वपूर्ण धार्मिक मंदिरों में से एक है । सफ़ेद गुंबद वाले स्तूप और मंदिरों की एक श्रृंखला के साथ, यह स्थान प्रतिदिन लोगों को अपनी ओर आकर्षित करता है। इसे स्वयंभूनाथ मंदिर, स्वयंभूनाथ स्तूप और स्वयंभू महा चैत्य के नाम से भी जाना जाता है। कई बंदरों ने आसपास के क्षेत्र में अपना स्थायी निवास स्थान बना लिया है, इस मंदिर को ₹मंकी टेंपल₹ का विचित्र उपनाम भी मिलता है। एक बार जब आप मंदिर के अंदर हों, तो शीर्ष तक पहुंचने के लिए 365 सीढ़ियां चढ़ना सुनिश्चित करें और राजधानी काठमांडू के सुरम्य, मनोरम दृश्य का आनंद लें।

स्वादिष्ट मिल्कशेक की लिस्ट

मिल्कशेक वह पेय है जो आपके मूड को तरोताजा करता है। भारत की संस्कृति समृद्ध और विविधता के अनुसार यहां मिल्कशेक की किस्में भी समृद्ध हैं। क्लासिक स्वादों से लेकर प्रायोगिक स्वादों तक, भारत में मिल्कशेक विकल्पों की कोई कमी नहीं है। इस लेख में, हम आपके लिए भारत के 8 स्वादिष्ट मिल्कशेक लेकर आए हैं जो आपके मन को संतुष्ट करेंगे।

मैंगो मिल्कशेक

मैंगो मिल्कशेक इंडिया का क्लासिक और मशहूर पेय है, खासकर आम के मौसम के दौरान। आम के गूदे की मिठास के साथ दूध की मलाईदार बनावट बिल्कुल अनूठी है। आप इस स्वादिष्ट पेय को किसी भी स्थानीय जूस की दुकान या कैफे में पा सकते हैं।

बादाम मिल्कशेक

बादाम मिल्कशेक बादाम, दूध और चीनी से बना एक स्वस्थ और पौष्टिक मिल्कशेक है। यह मिल्कशेक उन लोगों के लिए एक आदर्श विकल्प है जो स्वास्थ्य के प्रति सचेत हैं लेकिन फिर भी मीठा खाना चाहते हैं।

स्ट्रॉबेरी मिल्कशेक

स्ट्रॉबेरी मिल्कशेक एक ताज़ा और फलयुक्त पेय है जो हर मौसम के लिए बिल्कुल उपयुक्त है। ताज़ी स्ट्रॉबेरी, दूध और आइसक्रीम से बना यह मिल्कशेक आपके मिठास की प्यास को बुझा देगा।

चॉकलेट मिल्कशेक

चॉकलेट मिल्कशेक हर उम्र के लोगों का पसंदीदा है। दूध, चॉकलेट सिरप और आइसक्रीम से बना यह मिल्कशेक मिठास और मलाई का एकदम सही मिश्रण है। आप यह मिल्कशेक किसी भी कॉफ़ी शॉप या फ़ास्ट-फ़ूड श्रृंखला में पा सकते हैं।

बटरस्कॉच मिल्कशेक

बटरस्कॉच मिल्कशेक भारत में एक लोकप्रिय मिल्कशेक है। बटरस्कॉच सिरप, दूध और आइसक्रीम से बने इस मिल्कशेक में एक अनोखा कारमेल जैसा स्वाद है। आप यह मिल्कशेक किसी भी स्थानीय जूस की दुकान या कैफे में आसानी से मिल सकता है।

किटकैट मिल्कशेक

किटकैट मिल्कशेक, मिल्कशेक की लिस्ट में हाल ही में शामिल हुआ है। किटकैट चॉकलेट, दूध और आइसक्रीम से बना यह मिल्कशेक चॉकलेट प्रेमियों के लिए एक आदर्श व्यंजन है। आप यह मिल्कशेक किसी भी कॉफ़ी शॉप या फ़ास्ट-फ़ूड श्रृंखला में पा सकते हैं।

केसर पिस्ता मिल्कशेक

केसर पिस्ता मिल्कशेक एक पारंपरिक भारतीय मिल्कशेक है जो केसर, पिस्ता, दूध और चीनी से बनाया जाता है। इस मिल्कशेक में केसर के स्वाद के साथ एक समृद्ध और मलाईदार बनावट है। आप यह मिल्कशेक किसी भी स्थानीय जूस की दुकान या कैफे में पा सकते हैं।

राशिफल

प्रियंका जैन

मेष: धन प्राप्ति सुगम होगी। पराक्रम बढ़ेगा। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं। संतान के व्यवहार पर नजर रखें। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

वृष: आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आपके व्यवहार एवं कार्यकुशलता से अधिकारी वर्ग से लाभ होगा। आपसी विचार-विमर्श लाभप्रद रहेगा। बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मिथुन: धनलाभ होगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। वाहन सुख मिलेगा। संपत्ति के लेन-देन में सावधानी बरतें। परिवार में सहयोग का वातावरण रहेगा। मेहनत का फल मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

कर्क: पुराने मित्र-संबंधी मिलेंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। कार्य एवं व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा। विवादों से दूर रहना चाहिए। उत्साहवर्द्धक सूचना मिलेगी।

सिंह: कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कारोबार अच्छा चलेगा।

कन्या: धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा। वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में सावधानी रखें, विशेषकर स्त्रियां रसोई में ध्यान रखें।

तुला: जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। स्त्री पक्ष से लाभ होगा। अज्ञात भय रहेगा। शत्रु परास्त होंगे।

वृश्चिक: आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। भाग्य बेहद अनुकूल है, लाभ लें। चोट व रोग से बचें।

धनु: कार्यसिद्धि होगी। आय-व्यय में संतुलन रहेगा। क्रोध पर संयम आवश्यक है। व्यापार में नए अनुबंध लाभकारी रहेंगे। धर्म में रुचि बढ़ेगी। नई योजना से लाभ होगा। धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। वरिष्ठजनों का सहयोग मिलेगा।

मकर: संतान की ओर से अच्छे समाचार मिलेंगे। दूसरों के कार्यों में हस्तक्षेप नहीं करें। परिवार की चिंता रहेगी। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। पुराना रोग उभर सकता है। व्यापार के विस्तार हेतु किए गए प्रयास सफल होंगे।

कुंभ: पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी। शेयर मार्केट व म्युचुअल फंड से लाभ होगा। चोट व रोग से बचें। सुख के साधन जुटेंगे।

मीन: प्रसन्नता रहेगी। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। व्यवसाय ठीक चलेगा। संतान के रोजगार की समस्या का समाधान संभव है। व्यापार-व्यवसाय लाभप्रद रहेगा। कश्मकश दूर होगी। स्वजनों से भेंट होगी।

ज्योतिष के मुताबिक, धन से जुड़े कुछ ग्रह

शुक्र: शुक्र को धन का कारक ग्रह माना जाता है. शुक्र के शुभ होने पर व्यक्ति का भाग्योदय होता है. शुक्र को प्रसन्न करने के लिए, उनके बीज मंत्र और वैदिक मंत्रों का जाप किया जा सकता है.

बृहस्पति: ज्योतिष में बृहस्पति को धन और वित्तीय सफलता से जुड़ा ग्रह माना जाता है. बृहस्पति को महान लाभकारी ग्रह माना जाता है.

भगवान कुबेर: भगवान कुबेर देवताओं के कोषाध्यक्ष हैं. वे धन, समृद्धि, और भौतिक प्रचुरता के देवता हैं.

कुंडली में धन से जुड़े कुछ और बातें:

* कुंडली के दूसरे भाव को धन का भाव माना जाता है.
* 11वें भाव को लाभ का भाव माना जाता है.
* चौथे भाव से जमीन और संपत्ति के ज़रिए आर्थिक लाभ होता है.
* कुंडली में किसी ग्रह की नीच स्थिति होना उस ग्रह की कमज़ोरी को दर्शाता है.
* कुंडली में ग्रहों का शत्रु स्थान देखा जाता है, जिससे उनकी खराब स्थिति का पता लगता है.
* शनि का दुष्प्रभाव व्यक्ति को कर्ज़ में डुबा देता है.

भागदौड़ भरी जिंदगी में हर इंसान कड़ी मेहनत करता है ताकि वह अच्छा धन कमा सके, जिससे वह अपना और अपने परिवार की जरूरतों को पूरा कर सके। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि व्यक्ति के मेहनत करने के बाद भी धन संचय करने में असफलता मिलती है और धन का अभाव होने लगता है। साथ ही मेहनत से इकट्ठा किया गया धन अनावश्यक रूप से व्यय हो जाता है। व्यक्ति की जमा पूंजी पूरी तरह से नष्ट भी हो जाती है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जन्म कुंडली में विराजमान कुछ ग्रह या योग इसका कारण बन सकते हैं और धन संबंधी समस्याएं खड़ी करते हैं। आइए जानते हैं कुंडली में ऐसे कौन से भाव और योग हैं, जिनके कारण आर्थिक परेशानी लगी रहती है और कर्ज भी लेना पड़ सकता है। अगर दूसरे भाव में राहु, केतु या शनि ग्रह होंगे तो मनुष्य के जीवन में धन संचय करने में बहुत कठिनाई आ सकती है। ऐसी स्थिति में धन बेवजह के कार्यों में ज्यादा खर्च होता है। साथ ही आर्थिक कार्यों में समय-समय पर अवरोध उत्पन्न होते हैं। अगर कुंडली में इन तीनों ग्रह की स्थिति बन रही है तो सोच समझ कर पैसा खर्च करना चाहिए अन्यथा संकट या जरूरत के समय आपको धन का अभाव महसूस होगा। ज्योतिषशास्त्र के अनुसार, कुंडली के इस भाव के माध्यम से हम किसी भी व्यक्ति के जीवन काल के लाभ का आकलन कर सकते हैं। ग्यारहवें भाव में किसी क्रूर ग्रह यानी राहु, केतु या शनि की दृष्टि होगी तो आपको जीवन में अपेक्षा से कम लाभ होंगे। यही नहीं हर वस्तु में लाभ के प्रभाव भी कम होते जाएंगे।

प्रियंका जैन
9769994439

खबर संक्षेप

जो अफसर उछल रहे, उन्हें खामियाजा भुगतना होगा : सांसद अफजाल अंसारी

संभल। संभल में हुई हिंसा को लेकर समाजवादी पार्टी के सांसद अफजाल अंसारी ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय की ओर से फटकारा लगाई गई है, इसके बाद भी लोगों को शर्म नहीं आती है। उन्होंने कहा कि लोग मनमानी करने पर आमादा हैं, न्यायिक सेवा के अधिकरियों को धमकाया जा रहा है। अफजाल ने कहा कि जो अधिकारी उछल रहे हैं, उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ेगा। वक्त आएगा। अभी जो लोग हैं, वो बदले जाएंगे। अफजाल ने कहा कि जो ज्यादतियां हो रही हैं, सबका हिसाब किताब होगा। कानून के रास्ते सबका हिसाब होगा। संभल में पहले ऐसी परिस्थितियां पैदा की गईं कि लोग उत्तेजित हों और अब वहां महिलाओं को भी जेल भेजा जा रहा है। लोगों की दुकानें जलाई गईं। बता दें कि आज समाजवादी पार्टी का डेलिगेशन संभल गया था, लेकिन प्रतिनिधिमंडल को संभल जिले में प्रवेश करने से रोक दिया गया। इसमें कई विधायक और संभल के सांसद भी शामिल थे। प्रशासन ने शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए बाहरी लोगों और जनप्रतिनिधियों के प्रवेश पर प्रतिबंध को 10 दिसंबर तक बढ़ा दिया है। बाहरी लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध शनिवार को समाप्त होने वाला था।

ये सरकार कायर और डरपोक है, ऐसा कौन सा सच छिपा रही है:राजीव राय

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के संभल में हुई हिंसा को लेकर राजनीति चरम पर है। विपक्ष लगातार इस मामले को लेकर सूबे की योगी सरकार पर हमलावर है। इस बीच समाजवादी पार्टी के सांसदों को संभल जाने से दिल्ली के गाजीपुर बॉर्डर पर ही रोक दिया गया और उन्हें वापस दिल्ली भेज दिया गया। इस बात को लेकर पार्टी ने नाराजगी जाहिर की है। घोसी से सपा सांसद राजीव राय ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि आखिर सरकार ऐसा क्या छिपाना चाहती है। ऐसा कौन सा सच है जिसके बाहर आ जाने का सरकार को डर है।राजीव राय ने कहा कि ये सरकार कायर और डरपोक है ,जो दंगा फैलाती है नफरत फैलाती है, इसके अलावा उनके पास करने को कुछ नहीं। उन्होंने कहा कि सदन चल रहा है इतना बड़ा हादसा हो गया सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले पर संज्ञान लेकर सरकार को उसकी जगह दिखाई। उन्होंने कहा कि हम चुने हुए सांसद हैं ग्राउंड जीरो पर जाना चाहते हैं, लेकिन सरकार ने रोक दिया। राय ने सवाल किया कि आखिर ऐसी क्या वजह है, जो सरकार हम लोगों को वहां जाने से रोक रही है। उन्होंने कहा कि आपके ऊपर आरोप लगाए तो आप तथ्य को सामने लाएं देश को फैसला करने दीजिए।

प्रदेश में 1.39 लाख करोड़ की लागत से बनेंगे नए हाईवे

सड़कों को त्वरित गति से दी जाएगी जमीन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में 1.39 लाख करोड़ रुपये की लागत से नए हाईवे बनेंगे। इसके लिए शीघ्र ही विस्तृत प्रोजेक्ट रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार होगी। साथ ही महाकुंभ से संबंधित राष्ट्रीय राजमार्ग, बाईपास, इनर रिंग रोड और पुल निर्माण के काम भी 25 दिसंबर तक पूरे करने होंगे। ये निर्देश सीएम योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में दिए गए। सीएम के सरकारी आवास पर शनिवार को हुई इस बैठक में प्रयागराज महाकुंभ-2025 से संबंधित राष्ट्रीय राजमार्गों के कार्यों और सड़क परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की गई।

समीक्षा बैठक में उत्तर प्रदेश में नई सड़क परियोजनाओं पर चर्चा हुई। बरेली में एनएच 530बी के सुदृढ़ीकरण, प्रतापगढ़ जिले में एक बाईपास, प्रयागराज-दोहरीघाट मार्ग को दो लेन से चारलेन करने, बाराबंकी-जरवल-बहराइच मार्ग (एनएच 927) के निर्माण, कबरई-कानपुर कॉरिडोर के निर्माण के संबंध में डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया समय से पूरी करने के निर्देश दिए गए। वहीं, अधिकारियों ने बताया कि शामली-गोरखपुर कॉरिडोर और अलीगढ़-मुरादाबाद-बिजनौर कॉरिडोर की बिड आ गई है, जबकि अयोध्या (उतरौला)-प्रयागराज के बीच बेहतरीन कनेक्टिविटी के लिए बिड आमंत्रित की गई है। प्रयागराज-वाराणसी-आरा-पटना कॉरीडोर के लिए भी बिड आमंत्रित की गई है। गोरखपुर-जमनिया-सैयदराजा कॉरीडोर और गोरखपुर-किशनगढ़-सिलीगुड़ी कॉरीडोर के लिए डीपीआर तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ से संबंधित काम युद्धस्तर पर पूरे करने के निर्देश दिए। इन निर्माण कार्यों में 63.17 किमी रायबरेली से प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग के चौड़ीकरण का कार्य, चार स्थानों पर फोरलेन बाईपास के निर्माण, 7.6 किलोमीटर प्रयागराज इनर रिंग रोड (प्रथम चरण, पैकेज-थर्ड), 10.98 किमी दो लेन प्रतापगढ़ बाईपास, 5.10 किमी फोरलेन जसरा बाईपास और 24.2 किलोमीटर प्रयागराज फाफामऊ में गंगा पर बने सेतु के समानांतर नए 6-लेन सेतु और पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य प्रमुख हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग-30 (रायबरेली से प्रयागराज खंड) में चार स्थानों-जगतपुर, बाबूगंज, ऊंचाहार व आलापुर पर निर्माणाधीन बाईपास में से दो पूर्ण हो चुके हैं, शेष दो को भी समय से पूरा करा लिया जाए। राष्ट्रीय राजमार्गों में हर 20 किमी पर एंबुलेंस व रिकवरी व्हीकल और पेट्रोलिंग वाहन व क्रेन की व्यवस्था की जाए।

सड़कों के लिए तेजी से भूमि उपलब्ध कराने के निर्देश

सीएम ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर सभी नजदीकी अस्पतालों की मैपिंग होनी चाहिए। सीसीटीवी और स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। महाकुंभ जाने वाले मार्गों पर टोल प्लाजा के पास अतिरिक्त शौचालय और राष्ट्रीय राजमार्गों पर पेयजल सुविधाएं, चिकित्सा एवं यातायात सहायता पोस्ट की व्यवस्था कराई जाए। राष्ट्रीय राजमार्ग गड्ढा मुक्त हों। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि प्रदेश में नए राजमार्गों के निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण की कार्यवाही तेजी से पूरी की जाए।

लखनऊ-गाजीपुर हाईवे की होगी मरम्मत

मुख्यमंत्री ने लखनऊ-गोरखपुर, बांदा-कानपुर और गाजीपुर-वाराणसी राष्ट्रीय राजमार्ग के मरम्मत की आवश्यकता बताई। इस पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने एनएचएआई के अधिकारियों को इन सड़कों को ठीक करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सिद्धार्थनगर के नौगढ़ से शोहरतगढ़ होते हुए तुलसीपुर (बलरामपुर) तक के मार्ग का सुदृढ़ीकरण जरूरी है, जिस पर सहमति जताते हुए केंद्रीय मंत्री ने विभागीय अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

बहराइच-श्रावस्ती समेत 10 जिलों में बनेंगे बाईपास

नितिन गडकरी ने अलीगढ़, देवीपाटन, झांसी, मिर्जापुर व सहारनपुर मंडल में रिंग रोड का प्रस्ताव तैयार किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में 8 बाईपास निर्माणधीन हैं। प्रदेश के 10 जिलों औरैया, बुलंदशहर, मैनपुरी, बहराइच, बागपत, भदोही, संभल, कौशाम्बी, चंदौली और श्रावस्ती में बाईपास बनाए जाने के लिए प्रस्ताव तैयार किए जाएं।

तमंचे की नोक पर व्यापारी से लाखों लूटने वाले दो बदमाश गिरफ्तार

कौशांबी। कौशांबी जिले में एक सप्ताह पहले तमंचे की नोक पर व्यापारी से लाखों रुपये लूटने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। बदमाशों को पकड़ने के लिए पुलिस ने 52 कैमरों की मदद ली, जिसके बाद उन्हें सफलता मिली है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक लाख रुपये नकद, व्यापारी का एक लाख का चेक, एक तमंचा और एक बाइक बरामद की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है। दो आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी तलाश की जा रही है। घटना संदीपन घाट थाना क्षेत्र के आलमचंद्र गांव के पास की है। यहां 19 नवंबर की शाम रामदेव मौर्य जब मूरतगंज स्थित अपनी बीज की

दुकान बंद कर घर लौट रहे थे, तभी गांव के पास बाइक सवार बदमाशों ने तमंचे के बल पर लूट की वारदात को अंजाम दिया। बदमाश तमंचे के बल पर व्यापारी से दो लाख रुपये लूटकर फरार हो गए थे। इस मामले में स्थानीय पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी थी। एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने घटना के खुलासे के लिए तीन टीमें गठित की थीं। एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि इस केस को सुलझाने के लिए पुलिस ने ऑपरेशन त्रिनेत्र के तहत लगे कैमरों के जरिए खंगालना शुरू किया। पुलिस ने वारदात स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे व अन्य कैमरों में घटना की तलाश शुरू की। इसके जरिए पुलिस को सफलता मिली। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे व अन्य कैमरा में घटना की तलाश शुरू किया। इसके जरिए पुलिस ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए प्रयागराज के नवाबगंज थाना क्षेत्र के चकरी गांव निवासी मोहम्मद गुफरान और संदीपन घाट के मितवापुर गांव निवासी सलमान को गिरफ्तार कर लिया।

खुलासा करने वाली टीम को 25 हजार का इनाम

पुलिस ने इन दोनों आरोपियों के पास से एक लाख पांच हजार रुपये, व्यापारी के नाम का एक लाख का चेक और एक अवैध पिस्टल बरामद की। आरोपियों ने घटना में गैंसड़ी गांव निवासी अलीशान और शाहबाज के शामिल होने की बात स्वीकार की है। इनमें से एक आरोपी अपनी जमानत निरस्त कराकर जेल जा चुका है। जिसकी घटना में अहम भूमिका साबित हुई है। इस घटना का खुलासा करने वाली टीम को 25 हजार रुपये का इनाम दिया जाएगा।

एक करोड़ रुपए हड़पने का आरोपी गिरफ्तार, 2015 में दर्ज हुआ था मुकदमा

वाराणसी। कम समय में पैसा दोगुना कर वापस देने का झांसा देकर निवेशकों के लगभग एक करोड़ रुपये हड़पने के आरोपी को आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने शनिवार को चोलापुर क्षेत्र से गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान चोलापुर थाने के बहलोलपुर के मूल निवासी और कोलकाता के हुगली, भारदेश्वर स्थित एससी घोष लेन में रहने वाले रामकुमार पटेल के रूप में हुई है। आरोपी लोगों का पैसा हड़पने वाली स्काई मार्ग फाइनेंस सोसायटी कंपनी का डायरेक्टर था। प्रकरण में चार अन्य आरोपियों की तलाश है। वर्ष 2013 में जालसाजों द्वारा स्काई मार्ग फाइनेंस सोसायटी का गठन करके जौनपुर में वाजिदपुर तिराहा के समीप कार्यालय खोला गया। निवेश करने पर कम समय में पैसा दोगुना करने का झांसा देकर आमजन से लगभग एक करोड़ रुपये जमा कराया गया। लगभग एक वर्ष बाद 2014 में चेयरमैन, डायरेक्टर और संचालक कंपनी के कार्यालय का ताला बंद कर लापता हो गए। जौनपुर के नेवढ़िया क्षेत्र के रहने वाले पीड़ित संजय पटेल ने मई 2015 में लाईन बाजार थाने में कंपनी के डायरेक्टर और संचालकों के विरुद्ध धोखाधड़ी सहित अन्य आरोपों में मुकदमा दर्ज कराया।

3 साल में 300 लोगों से ठगी, नोएडा में पकड़ा गया ठगी का कॉल सेंटर

नोएडा। यदि आप भी छुट्टियों में कहीं घूमने जाना चाहते हैं और किसी लुभावने हॉलीडेज पैकेज की तलाश कर रहे हैं, तो आपको सावधान हो जाना चाहिए। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में जालसाज आपको अपना शिकार बना सकते हैं। दिल्ली से सटे नोएडा में ही पुलिस ने ऐसे ही एक कॉलसेंटर का खुलासा किया है। इस कॉलसेंटर में बैठे जालसाज लोगों को लुभावना ऑफर देते हैं। कम पैसे में महंगे और प्रतिष्ठित होटलों में ठहराने का वादा करते हैं और फिर पूरी रकम लेकर गायब हो जाते हैं। इस कॉल सेंटर काम कर रहे 32 लोगों को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। हालांकि इस कॉलसेंटर के मालिक समेत

5 लोग फरार होने में सफल हो गए। नोएडा पुलिस के मुताबिक कई महीने से शिकायतें आ रही थीं। इन सभी शिकायतों में ठगी का एक ही पैटर्न था। इन सभी शिकायतों में पीड़ितों को महंगे होटलों में कम पैसे में ठहराने का वादा किया गया था। हालांकि इनमें कुछ मामलों में जालसाजों ने पीड़ितों के घर जाकर रकम वसूल किया था तो कुछ मामलों में ऑनलाइन रकम मंगाई थी।

32 जालसाज अरेस्ट

इस पैटर्न को ध्यान में रखते हुए सेक्टर 63 थाना पुलिस ने मोबाइल नंबर और बैंक एकाउंट के आधार पर आरोपियों को ट्रैक किया और शनिवार को इस कॉल सेंटर का खुलासा कर दिया। पुलिस के मुताबिक फिलहाल 32 लोग अरेस्ट हुए हैं। इनमें 17 महिलाएं शामिल हैं। जबकि कॉल सेंटर के डायरेक्टर समेत 5 फरार हैं। पुलिस की पूछताछ में कॉल सेंटर संचालक डार्क वेब से लोगों के मोबाइल नंबर खरीदते थे।

व्यापार जगत

कम हाजिर कीमत की वजह से आवक घटने के कारण अधिकांश तेल-तिलहन कीमतों में सुधार

नई दिल्ली। हाजिर दाम कम रहने के बीच किसानों द्वारा बाजार में अपनी ऊपज की आवक घटाने के कारण शनिवार को देश के प्रमुख बाजारों में सरसों एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल के दाम में सुधार देखने को मिला। हाजिर दाम कम रहने और आवक बढ़ने के बीच मूंगफली तेल-तिलहन के दाम पूर्वस्तर पर बंद हुए। बाजार सूत्रों ने कहा कि सोयाबीन की सरकारी खरीद होने के बावजूद किसानों को लग रहा है कि सरकार पूरी ऊपज नहीं खरीद पायेगी और इसलिए हाजिर बाजार में इनके दाम कम चल रहे हैं। किसान अधिक नीचे दाम पर अपनी ऊपज को बेचने से कतरा रहे हैं और इसके लिए हाजिर बाजार में आवक कम ला रहे हैं। कपास के भी मजबूत किसान अपनी फसल रोक-रोक कर बाजार में ला रहे हैं केवल कुछ किसान पैसों की

मजबूरी के कारण थोड़ी बहुत मात्रा में कपास की बिक्री कर रहे हैं। इस वजह से सोयाबीन एवं सरसों तेल-तिलहन तथा बिनौला तेल के दाम में मजबूती रही। विदेशों में पाम एवं पामोलीन के दाम मजबत होने की वजह से सीपीओ और पामोलीन के दाम में सुधार है। उन्होंने कहा कि मूंगफली की आवक बढ़ने के बीच हाजिर दाम कमजोर रहने के कारण मूंगफली तेल-तिलहन के दाम पूर्वस्तर पर बने रहे।

सूत्रों ने कहा कि सरकार ने शुक्रवार की रात को आयात होने वाले कुछ खाद्यतेलों का आयात शुल्क मूल्य बढ़ाया है। सरकार ने सीपीओ का आयात शुल्क मूल्य 90 रुपये क्विंटल, पामोलीन का 118 रुपये क्विंटल और सोयाबीन का आयात शुल्क मूल्य 70 रुपये क्विंटल बढ़ाया है। इस वृद्धि के बावजूद यहां मूंगफली तेल पर इसका कोई खास असर नहीं आया। मूंगफली तेल का बाजार में उठाव नहीं हो रहा है और इसका थोक भाव पामोलीन से भी नीचे चल रहा है। सरसों और मूंगफली ऐसे तेल हैं जिसका हम आयात नहीं करते बल्कि इसका निर्यात होता है। मूंगफली के निर्यात की मांग कमजोर है। सूत्रों ने कहा कि देश में सूरजमुखी, सोयाबीन और मूंगफली के हाजिर दाम, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से 10-15 प्रतिशत नीचे चल रहे हैं। देश में खाद्य तिलहनों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन स्थितियों पर गौर करते हुए इसका समाधान निकालना चाहिये यानी देशी तेल-तिलहन का बाजार बनाने की ओर ध्यान देने की आवश्यकता है।

जीवन बीमा कर्मचारियों के संगठन ने प्रीमियम पर जीएसटी हटाने की मांग की

कोलकाता। एक प्रमुख जीवन बीमा कर्मचारी महासंघ ने शनिवार को बीमा प्रीमियम पर जीएसटी वापस लेने और इस क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) में आगे बढ़ोतरी नहीं करने की मांग की। अखिल भारतीय जीवन बीमा कर्मचारी महासंघ (एआईएनएलआईईएफ) ने कहा कि वह अपनी मांगों को लेकर दबाव बनाने के लिए देशव्यापी अभियान शुरू करेगा। एआईएनएलआईईएफ के एक सम्मेलन को संबोधित करते हुए महासचिव वी नरसिम्हन ने कहा कि इन मांगों का समर्थन करने के लिए सभी राजनीतिक दलों के सांसदों के साथ संपर्क किया जाएगा। अखिल भारतीय त्रिवार्षिक महासम्मेलन में देशभर से प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। महासंघ की मांगों में नई श्रम संहिता को वापस लेना और 2010 के बाद भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में भर्ती हुए कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करना भी शामिल है। नरसिम्हन ने कहा कि वर्तमान में बीमा क्षेत्र में एफडीआई 74 प्रतिशत है और केंद्र सरकार इसे बढ़ाकर 100 प्रतिशत करने पर विचार कर रही है।

गोवा-आईडीसी ने उद्योग प्रशासन का ऑनलाइन मंच 'ओपन' शुरू किया

पणजी। गोवा औद्योगिक विकास निगम ने शनिवार को उद्योग प्रशासन के लिए भारत का पहला डिजिटल सार्वजनिक संपत्ति मसौदा 'ओपन प्लेटफॉर्म फॉर एंटरप्राइज नेटवर्क' (ओपन) शुरू किया। इसका उद्देश्य सरकार-से-व्यापारिक लेनदेन को सरल, डिजिटल और मानकीकृत करके उद्योग प्रशासन में बदलाव लाना है। गोवा औद्योगिक विकास निगम (गोवा-आईडीसी) के चेयरमैन एलेक्सियो रेजिनाल्डो लौरेंको ने पणजी में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि इस मंच का औपचारिक शुभारंभ कारोबारी सुगमता बढ़ाने और एक जीवंत औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने की दिशा में गोवा की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। अपने नए 'ओपन प्लेटफॉर्म फॉर एंटरप्राइज नेटवर्क' (ओपन) पोर्टल के बहुप्रतीक्षित शुभारंभ के तहत गोवा-आईडीसी ने वेरना औद्योगिक एस्टेट में 20 औद्योगिक भूखंडों और नीलामी

के लिए नौ वाणिज्यिक भूखंडों की उपलब्धता की भी घोषणा की। लौरेंको ने कहा कि पारदर्शिता और दक्षता बढ़ाने के लिए डिजायन किया गया नया पोर्टल इच्छुक निवेशकों के लिए प्रक्रिया को सरल बनाएगा, जिससे इन प्रमुख संपत्तियों तक पहुंचना और बोली लगाना पहले से कहीं अधिक आसान हो जाएगा।

प्रमुख आठ शहरों में मॉल, मुख्य बाजारों में खुदरा स्थान की मांग पांच प्रतिशत बढ़ी: रिपोर्ट

नई दिल्ली। इस वर्ष जनवरी-सितंबर के दौरान प्रमुख आठ शहरों में शॉपिंग मॉल और प्रमुख बाजारों में खुदरा स्थान की पट्टा गतिविधियों में लगभग पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई। रियल एस्टेट परामर्श कंपनी कुशमैन एंड वेकफील्ड ने एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, शीर्ष आठ शहरों में श्रेणी 'ए' के मॉल और मुख्य खुदरा बाजारों में पट्टा गतिविधियां जनवरी-सितंबर 2024 के दौरान 55.3 लाख वर्ग फुट

थीं, जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में यह आंकड़ा 52.9 लाख वर्ग फुट था। ये आठ शहर दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद हैं। कुशमैन एंड वेकफील्ड के प्रबंध निदेशक (पूंजी बाजार) सौरभ शतदल ने कहा, 'भारत की खुदरा अचल संपत्ति की वृद्धि बरकरार है। यह मॉल और मुख्य बाजारों, दोनों में मजबूत पट्टा संख्या से देखा जा सकता है।'उन्होंने कहा कि विवेकाधीन खर्च में वृद्धि और उपभोक्ता की बदलती प्राथमिकताएं प्रीमियम खुदरा स्थानों की मांग को बढ़ा रही हैं।

आईएलएंडएफएस को सहायक कंपनी सफल बोलीदाता को बेचने के लिए एनसीएलएटी की अनुमति मिली

नई दिल्ली। दिवाला अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने कर्ज में डूबे आईएलएंडएफएस समूह को अपनी सहायक कंपनी आईएलएंडएफएस पारादीप रिफाइनरी वाटर लिमिटेड (आईपीआरडब्ल्यूएल) को सफल बोलीदाता को बेचने की अनुमति दे दी है। खबरों के मुताबिक इससे आईएलएंडएफएस को करीब 1,000 करोड़ रुपये का कर्ज चुकाने में मदद

मिल सकती है। आईपीआरडब्ल्यूएल की स्थापना ओडिशा में आईओसी द्वारा विकसित 1.5 करोड़ टन प्रति वर्ष क्षमता वाली पारादीप रिफाइनरी परियोजना की पानी की जरूरत को पूरा करने के लिए की गई थी। आईएलएंडएफएस परिसंपत्तियां बेचकर अपने कर्ज को कम कर रही है, और उसे आईपीआरडब्ल्यूएल में अपनी हिस्सेदारी बेचने के लिए आईओसी से सहमति नहीं मिली थी। ऐसे में आईएलएंडएफएस ने प्रक्रिया की निगरानी कर रहे राष्ट्रीय कंपनी कानून अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) से संपर्क किया था, ताकि आईओसीएल को निर्देश दिया जा सके कि वह उचित मूल्यांकन पर आईपीआरडब्ल्यूएल में 100 प्रतिशत शेयरधारिता हासिल करे या फिर इसे बेचने की अनुमति दे। दोनों पक्षों की दलील सुनने के बाद एनसीएलएटी ने कहा, 'आईओसी ने शेयरधारिता के 100 प्रतिशत अधिग्रहण के लिए सहमति नहीं दी है।

लक्ष्य सेन, पीवी सिंधु फाइनल में पहुंचे

जापान और चीन से होगी भिड़ंत

एजेंसी | नई दिल्ली

सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल टूर्नामेंट में लक्ष्य सेन का सेमीफाइनल मुकाबला जापान के सोगो ओसावा से हुआ। इस मैच में लक्ष्य ने 21-14 से शानदार जीत दर्ज की। लक्ष्य ने इस जीत के साथ फाइनल में एंट्री कर ली है। फाइनल में उनका मैच सिंगापुर के जिया हेंग जेसन से होगा। यह मैच कल 1 दिसंबर को खेला जाएगा।

इस टूर्नामेंट में कई और इवेंट में भी भारत देश का प्रतिनिधित्व करेगा। मिक्स डबल में भारत की ओर से ध्रुव कपिला और तनिषा क्रास्टो थाईलैंड के डेचापोल पुवारानुक्रोह और सुपिस्सारा पैवसम्प्रान से भिड़ेंगे। वहीं, मेंस डबल में सांई प्रतीक और पृथ्वी कृष्णामूर्ती का मैच चीन की हुआंग डी और लियु यांग से होगा। वूमेंस डबल में भी भारत का मैच चीन से होगा।

पीवी सिंधु भी फाइनल में

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 टूर्नामेंट के वूमेंस सिंगल फाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए एंट्री ली। शीर्ष वरीयता प्राप्त सिंधु ने साथी भारतीय और उभरती हुई स्टार उन्नति हुड्डा को सीधे सेटों में 21-12, 21-9 से मात्र 36 मिनट में हराया। सिंधु का मैच फाइनल में वु लियो यू से होगा।

WTC पॉइंट्स टेबल में साउथ अफ्रीका का धमाल

श्रीलंका को 233 रनों से हराकर भारत के करीब पहुंचा

एजेंसी | नई दिल्ली

दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को श्रीलंका को पहले टेस्ट मैच में 233 रनों से हरा दिया है। इस जीत से साउथ अफ्रीका को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप पॉइंट्स टेबल में बंपर फायदा हुआ है। अफ्रीका ने श्रीलंका के खिलाफ पहला मैच जीतकर पॉइंट्स टेबल में लंबी छलांग लगाई और भारत के करीब पहुंच गया है। इस मैच से पहले तेंबा बावूमा की अगुवाई वाली साउथ अफ्रीका की टीम डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में 54.17 प्रतिशत अंकों के साथ 5वें पायदान पर थी, वहीं जीत के बाद टीम दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

श्रीलंका के खिलाफ मैच जीतने के बाद दक्षिण अफ्रीका के 59.26 प्रतिशत अंक हो गए हैं। पैट कमिंस की अगुवाई वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम 57.69 प्रतिशत अंकों के साथ

तीसरे पायदान पर खिसक गयी है। दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में पांच विकेट पर 366 रन बनाकर पारी घोषित कर श्रीलंका को जीत के लिए 516 रनों का लक्ष्य दिया। ट्रिस्टन स्टब्स (122) और कप्तान टेम्बा बावुमा (113) ने अपने-अपने शतक पूरे किए और टीम को बड़े लक्ष्य की ओर ले गये। दक्षिण अफ्रीका को श्रीलंका को पहली पारी में उसके न्यूनतम स्कोर 42 रन पर ऑलआउट कर 149 रनों बढ़त ली थी। श्रीलंका की ओर से प्रभात जयसूर्या और विश्वा फर्नांडो ने दो-दो विकेट लिये। असिता फ़र्नांडो ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

दक्षिण अफ्रीका ने श्रीलंका को 516 रनों का विशाल लक्ष्य दिया। इसके जवाब में श्रीलंका की टीम 282 रन ही बना सकी। इसके बाद 516 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी श्रीलंका की टीम 282 रन ही बना सकी।

'विराट कोहली करेंगे RCB की कप्तानी'

एबी डिविलियर्स के बाद आर अश्विन ने भी की भविष्यवाणी

एजेंसी | नई दिल्ली

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल के आगामी सीजन से पहले फॉफ डुप्लेसी को रिलीज कर दिया था और नए कप्तान के नाम का ऐलान भी नहीं किया है, ऐसे में टीम की कप्तानी कौन करेगा, इसको लेकर संशय बरकरार है। हालांकि भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन का मानना है कि आईपीएल 2025 में विराट कोहली आरसीबी के कप्तान होंगे। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्क्वॉड के बारे में बात करते हुए अश्विन ने कहा कि उनके पास लीडरशिप के लिए अन्य विकल्प नहीं है। इससे पहले साउथ अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स ने भविष्यवाणी की थी कि विराट कोहली अगले साल फ्रेंचाइजी का नेतृत्व करेंगे। विराट कोहली ने 2021 के बाद आरसीबी की कप्तानी छोड़ दी थी। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, "पूरी संभावना है कि विराट कोहली टीम की कप्तानी करेंगे। मुझे ऐसा ही लग रहा है क्योंकि वे कप्तान के लिए नहीं गए। अगर वह किसी के साथ नहीं गए तो मुझे बतौर कप्तान विराट कोहली के अलावा कोई नहीं दिख रहा। अश्विन ने नीलामी के दौरान आरसीबी की खरीददारी की भी तारीफ की है। जेद्दा में हुए मेगा नीलामी में आरसीबी ने टिम डेविड, जोश हेजलवुड, फिल साल्ट, लियाम लिविंगस्टोन और जितेश शर्मा जैसे खिलाड़ियों को खरीदा।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में वनडे मैच खेलेगी टीम इंडिया?

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी खेली जा रही है। सीरीज का पहला मुकाबला पर्थ में हो चुका है। अब दूसरा टेस्ट 06 दिसंबर से एडिलेड ओवल में खेला जाएगा, लेकिन उससे पहले टीम इंडिया 50-50 ओवर का वनडे मैच खेलती हुई नजर आएगी, जबकि सीरीज में दोनों टीमों के बीच सिर्फ 5 टेस्ट ही खेले जाने हैं। तो फिर आइए जानते हैं कि अचानक कैसे 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में वनडे मुकाबले की एंट्री हो गई।

एडिलेड ओवल में सीरीज का दूसरा टेस्ट डे-नाइट टेस्ट होगा, जो पिंक बॉल से खेला जाएगा। इस मुकाबले को मद्दे नजर रखते हुए टीम इंडिया को आज यानी

30 नवंबर से ऑस्ट्रेलिया की प्राइम मिनिस्ट इलेवन के खिलाफ दो दिवसीय पिंक बॉल वॉर्म मैच खेलना था। मुकाबले का पहला दिन बारिश की भेंट चढ़ गया।

अब वॉर्म-अप मैच में सिर्फ एक ही दिन बाकी रह गया। बचे हुए एक दिन में दोनों टीमें 50-50 ओवर का मैच खेलेंगे। इस तरह टीम इंडिया को पिंक बॉल से 50 ओवर मैच का अभ्यास मिल जाएगा।

दूसरे टेस्ट में रोहित शर्मा की हुई वापसी

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के पहले टेस्ट में रोहित शर्मा हिस्सा नहीं ले सके थे। अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण टीम इंडिया के नियमित कप्तान रोहित शर्मा पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया नहीं पहुंच सके थे। रोहित की जगह जसप्रीत बुमराह उपकप्तान होने के नाते पहले टेस्ट में टीम इंडिया की कमान संभाली थी। अब रोहित शर्मा की दूसरे टेस्ट से पहले वापसी हो चुकी है, तो वह दूसरे टेस्ट में टीम इंडिया की कमान संभालते हुए नजर आएंगे।

जोश हेजलवुड की जगह लेंगे बोलैंड

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का दूसरा टेस्ट 6 दिसंबर से शुरू होने वाला है। इस टेस्ट मैच के शुरू होने से पहले कंगारू टीम खिलाड़ियों की चोट से लगातार जूझ रही है। टीम के स्टार ऑलराउंडर मिचेल मार्श पर्थ टेस्ट के दौरान चोटिल हुए थे। अब मार्श के बाद स्टार तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भी चोटिल हो गए हैं। चोट की वजह से हेजलवुड एडिलेड में होने वाले दूसरे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। हालांकि हेजलवुड की जगह दूसरे टेस्ट में खतरनाक तेज गेंदबाज की एंट्री होना लगभग तय माना जा रहा है। हम आपको उस खतरनाक तेज गेंदबाज के बारे में बताएंगे।

जोश हेजलवुड का बाहर होना कंगारू टीम के लिए बड़ा झटका है। हालांकि टीम मैनेजमेंट ने

हेजलवुड के रिप्लेसमेंट को लेकर विचार करना शुरू कर दिया है। संभावना यह जताई जा रही है कि हेजलवुड की जगह एडिलेड में होने वाले पिंक बॉल डे नाइट टेस्ट में तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड को प्लेइंग 11 में शामिल किया जा सकता है। बोलैंड के पास गति और उछाल दोनों है जो उन्हें एडिलेड की पिच पर काफी मदद देगी। बोलैंड का भारत के खिलाफ प्रदर्शन भी अच्छा रहा है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2024 के फाइनल में बोलैंड ने भारत के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की थी। हालांकि वह ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट स्क्वॉड से लंबे समय से बाहर हैं। उन्होंने आखिरी बार 2023 में टेस्ट मैच खेला था लेकिन भारत के खिलाफ उनके पिछले प्रदर्शन को देखते हुए बोलैंड को एडिलेड टेस्ट में मौका मिल सकता है।

मुंबई के मैदानों से

घुड़दौड़ः सैन्टीसिमो बेजोड़

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

रविवार को महालक्ष्मी रेसकोर्स पर आयोजित मुंबई घड़दौड़ सत्र के प्रथम दिवस की मुख्य दौड़ ए कैम्पबेल ट्रॉफी में पेसी श्रॉफ द्वारा प्रशिक्षित सैन्टीसिमो चार प्रतिद्वंदियों के बीच बेजोड़ है और उसके जीत की प्रबल संभावना है। कुल आठ दौड़ों का कार्यक्रम रखा गया है। पहली दौड़ दोपहर 1.30 बजे आरंभ होगी। विभिन्न दौड़ों के लिए हमारे चयन इस प्रकार हैः 1- युलेटाईड (प्र.), फ्लाएड (द्वि.), 2- सैन्टिसिमो (प्र.), सिंगर सॉर्जेन्ट (द्वि.), 3- अर्थ (प्र.), सब्स्टेन्सियल (द्वि.), 4- स्टॉर इम्पैक्ट (प्र.), रेड मिस्ट (द्वि.), 5- इन्कलॉब (प्र.), द पैन्थर (द्वि.), 6- चागल (प्र.), मिडनाईट एक्सप्रेस (द्वि.), 7- मैटिस (प्र.), एमॉन्ग द स्टॉर्स (द्वि.), 8- शम्बाला (प्र.), एज्रिनॉज (द्वि.), दिन का सर्वोत्तम- सैन्टीसिमो।

फिल्म 'आजाद' से राशा ठडानी और अमन देवगन का डेब्यू

रवीना टंडन की बेटी राशा ठडानी भी फिल्मी डेब्यू करने को तैयार हैं। राशा अक्सर ही सोशल मीडिया पर सुर्खियों में बनी रहती हैं और अब वो पहली बार सिल्वर स्क्रीन पर भी नजर आने वाली हैं। अगले साल 'आजाद' नाम की एक फिल्म आ रही है। राशा उसी फिल्म के जरिए डेब्यू कर रही हैं। फिल्म की फाइनल रिलीज डेट सामने आई गई है।राशा के साथ फिल्म में अजय देवगन के भांजे अमन देवगन भी नजर आने वाले हैं। ये उनकी पहली फिल्म है। कुछ समय पहले इस फिल्म का टीजर सामने आया था, जिसमें अमन और राशा दोनों की झलक देखने को मिली थी। टीजर के साथ मेकर्स ने बताया था कि ये फिल्म अगले साल जनवरी में आएगी, लेकिन फाइनल रिलीज डेट नहीं बताई गई थी। लेकिन अब ये जानकारी सामने आई है कि ये फिल्म 17 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अमन देवगन और राशा ठडानी के साथ-साथ अजय देवगन भी इस फिल्म में नजर आने वाले हैं। अभिषेक कपूर इस फिल्म के डायरेक्टर हैं और रॉनी स्क्रूवाला और प्रज्ञा कपूर इस फिल्म के प्रोड्यूसर हैं। जो टीजर सामने आया था उसके अनुसार इस फिल्म में क्रांतिकारी योद्धा महाराणा प्रताप के घोड़े की कहानी दिखाई जाने वाली है।राशा ठडानी की काफी अच्छी फैन फॉलोइंग है। वो भले ही अभी फिल्मों में नहीं आई हैं, लेकिन अक्सर चर्चा में बनी रहती हैं। ऐसे में अब देखना होगा कि अपनी पहली फिल्म के जरिए वो कैसा कमाल दिखाती हैं। 'आजाद' में अजय देवगन का रोल भी काफी खास होने वाला है। ये साल 2025 की उनकी पहली फिल्म होने वाली है। आखिरी बारअजय 'सिंघम अगेन' में दिखे हैं, जो 1 नवंबर को थिएटर्स में रिलीज हुई है। कथित तौर पर 350 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड 366 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया।

इंडियन आइडल 15 में नाना पाटेकर ने लगाई कंटेस्टेंट की क्लास

बॉलीवुड एक्टर नाना पाटेकर अब फिल्मों में कम ही नजर आते हैं और वे लाइमलाइट से भी दूर रहना पसंद करते हैं। टीवी या रियलिटी शो में उन्हें देखना तो और भी दुर्लभ है। लेकिन एक्टर हाल ही में पॉपुलर सिंगिंग रियलिटी शो इंडियन आइडल के 15वें सीजन का हिस्सा बने।इस दौरान का एक वीडियो सामने आया है। इसमें वे एक कंटेस्टेंट को न्यूमरोलॉजी जैसी चीजों में ना समय बर्बाद करने और गाने पर ध्यान देने की नसीहत देते नजर आ रहे हैं। अपने गुस्से के लिए मशहूर नाना पाटेकर जरा उखड़े उखड़े से नजर आ रहे हैं। उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

हाल ही में बॉलीवुड एक्टर नाना पाटेकर ने मशहूर रियलिटी शो इंडियन आइडल 15 में शिरकत की। इस दौरान एक कंटेस्टेंट नाना पाटेकर से बताती है कि वो न्यूमरोलॉजी में विश्वास रखती है। लेकिन नाना उसकी बात को काटते हुए उससे न्यूमरोलॉजी से जुड़े कुछ सवाल पूछने लग जाते हैं। वो उससे पूछते हैं कि इस शो में अव्वल कौन आएगा। या उनकी उम्र क्या है। इसके बाद वे लड़की से कहते हैं कि उसकी न्यूमरोलॉजी बकवास है। उसे अपना सारा फोकस अपने गाने पर ही रखना चाहिए। उसे बेझिझक गाना चाहिए और बाकी चीजें छोड़ देनी चाहिए।

वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

इसके अलावा इसी एपिसोड के कुछ और वीडियोज भी वायरल हो रहे हैं। उसमें देखा जा सकता है कि कैसे नाना पाटेकर इस सिंगिंग रियलिटी शो में बादशाह की मौज लेते नजर आ रहे हैं। एक महिला ने बादशाह की तारीफ की और कहा कि वे इतने बढ़िया रैप कैसे गा लेते हैं।इससे पहले कि बादशाह इस बात का जवाब देते, नाना उन्हें बीच में ही इंटरप्ट करने लग जाते हैं। वे कहते हैं कि- 'मैंने तुझे सुना नहीं बेटा, कैसा होता है वो रैप।' नाना की ये बात सुन बादशाह हैरान नजर आते हैं। इस शो के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है।

सलमान ने पकड़ा साउथ के डायरेक्टर का हाथ

सलमान खान ने आखिरी बार साल 2017 में 'टाइगर जिंदा है' के ज़रिए ब्लॉकबस्टर दी थी। उसके बाद 7 साल से ज्यादा का वक्त बीत चुका, उन्होंने ब्लॉकबस्टर तो छोड़िए एक सुपरहिट तक नहीं दी है। इस दौरान सात सालों में सलमान ने सात फिल्में बनाईं, पर उनकी कोई भी फिल्म ऐसी नहीं रही, जिसने उम्मीद के मुताबिक कारोबार किया हो। कारोबार तो छोड़िए, समीक्षकों और दर्शकों ने भी उनकी किसी फिल्म को उम्मीद के मुताबिक रेटिंग नहीं दी।सलमान की फिल्मों का परफॉर्मेंस देखने के बाद उनके चाहने वाले भी परेशान हैं। कहीं न कहीं भाईजान भी ये ज़रूर सोच रहे होंगे कि कमी आखिर कहां रह जा रही है। तो क्या इन्हीं सोच और विचार का नतीजा है सलमान की सिकंदर? पिछली फिल्मों का हश्र तो यही जवाब देता है।

सलमान की पिछली फिल्म थी 'टाइगर 3', जिसे मनीष शर्मा ने डायरेक्ट किया था। फिल्म हिट रही, पर उम्मीद से कमाई काफी कम रही। 'किसी का भाई किसी की जान' से पहले खूब हल्ला मचा था। इसका निर्देशन फरहाद सामजी ने किया था। पर फिल्म जब रिलीज हुई तो इसका हाल बेहाल ही रहा। कमाई औसत के मार्क से आगे नहीं बढ़ पाई। 2021 में आई महेश मांजरेकर के निर्देशन में बनी 'अंतिम' तो सीधे फ्लॉप ही हो गई। इन तीनों फिल्मों का निर्देशन बॉलीवुड से जुड़े निर्देशकों ने किया था। ऐसे में लगता है कि वो साउथ के बड़े निर्देशक के साथ फिल्म करने को मजबूर हो गए।

ऐसे में सलमान ने ब्लॉकबस्टर देने के लिए तगड़ी प्लानिंग की। उन्होंने वही रास्ता चुना जो इस वक्त ब्लॉकबस्टर फिल्म देने का सही रास्ता है। यानी ऐसी फिल्म बनाओ, जिसमें साउथ और बॉलीवुड दोनों शामिल हो जाए। सलमान की सिकंदर इसी प्लानिंग का सबूत है। इसमें इस वक्त साउथ की सबसे बड़ी एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना हैं। फिल्म का निर्देशन एआर मुरुगादॉस कर रहे हैं। साल 2008 में आई आमिर खान की ब्लॉकबस्टर 'गजनी' का निर्देशन भी उन्होंने ही किया था। इस फिल्म के बाद आमिर का स्टारडम अलग लेवल पर पहुंच गया था। सलमान और उनके फैंस को भी उम्मीद होगी कि सिकंदर से भाईजान का भी स्टारडम अलग लेवल पर पहुंच जाए।

शरद कपूर पर लगा छेड़छाड़ का आरोप

अभिनेता शरद कपूर पर एक 32 वर्षीय महिला ने छेड़छाड़ का आरोप लगाया है, जिसने दावा किया है कि उन्होंने एक प्रोजेक्ट पर चर्चा करने की आड़ में उसे अपने घर बुलाया था। उसने आरोप लगाया कि कपूर ने अवांछित प्रयास किए और अश्लील संदेश भेजे। खार पुलिस ने उनके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 74, 75 और 79 के तहत मामला दर्ज किया है और आरोपों के संबंध में पूछताछ के लिए उन्हें तलब किया गया है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह घटना कथित तौर पर 26 नवंबर, 2024 को हुई थी,

जब पीड़िता को वीडियो रील पर काम पर चर्चा करने के बहाने कपूर के कार्यालय में बुलाया गया था। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पहुंचने पर, उसने दावा किया कि कपूर ने अनुचित तरीके से कपड़े पहने थे और उसके साथ मारपीट करने का प्रयास किया। घटना के बाद, उसे कपूर से अश्लील संदेश मिले, जिसमें एक वॉयस नोट भी शामिल था, जिसने उसे और अधिक परेशान कर दिया। पीड़िता ने मनोरंजन उद्योग में जवाबदेही की आवश्यकता पर प्रकाश डालते हुए उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। अभी तक अभिनेता की ओर से आरोपों पर कोई टिप्पणी नहीं की गई है। बता दें कि शरद कपूर बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर शाहरुख खान की फिल्म जोश में नजर आ चुके हैं। इस फिल्म में उनके किरदार को खूब पसंद किया गया था। शरद कपूर को जोश के अलावा एलओसी कारगिल, लक्ष्य जैसी फिल्मों में देखा गया है। शरद कपूर अब होनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में आ गए हैं।

चक्रवात फेंगल को लेकर तमिलनाडु में IMD का अलर्ट

सीएम स्टालिन ने सुरक्षा इंतजामों पर की बैठक

एजेंसी । चेन्नई

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शनिवार को चक्रवात फेंगल के मद्देनजर राज्य के विभिन्न हिस्सों में स्थिति की समीक्षा की। इससे पहले दिन में, मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने तैयारियों और एहतियाती उपायों का आकलन किया। मुख्यमंत्री ने राज्य के मंत्रियों केएन नेहरू और केकेएसएसआर रामचंद्रन के साथ चेन्नई स्टेट ऑपरेशन सेंटर का भी दौरा किया।

सीएम स्टालीन ने जमीनी हालात का आकलन करने के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए चेन्नई, कांचीपुरम, तिरुवल्लूर, चेंगलपट्टू और अन्य जिलों के जिला कलेक्टरों से बातचीत की। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और आवश्यक एहतियाती उपाय लागू कर रही है। मीडिया को संबोधित करते हुए, सीएम स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु सरकार लगातार निरीक्षण कर रही है और प्रभाव को कम करने के लिए कदम उठा रही है।

मौसम विभाग ने अगले दो से तीन दिनों तक लगातार बारिश की चेतावनी दी है। तमिलनाडु सरकार निरीक्षण कर रही है और एहतियाती कदम उठा रही है। हमें जानकारी मिली है कि चक्रवाती तूफान आज रात तट को पार कर जाएगा। चेन्नई निगम आयुक्त क्षेत्र की स्थिति का आकलन करने के लिए कांचीपुरम, तिरुवल्लूर, चेंगलपट्टू और अन्य जिलों के जिला कलेक्टरों के संपर्क में हैं। राहत कार्य चल रहा है और प्रभावित लोगों के रहने के लिए राहत शिविर स्थापित किए गए हैं।

चक्रवाती तूफान फेंगल को लेकर IMD ने क्या कहा?

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने बताया कि चक्रवाती तूफान फेंगल के शनिवार शाम को कराईकल और महाबलीपुरम के बीच उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तट को पार करने की उम्मीद है, जिसमें हवा की गति 70-80 किमी प्रति घंटे और 90 किमी प्रति घंटे तक की हवाएं चल सकती हैं। आईएमडी के अनुसार, चक्रवात फेंगल, जो वर्तमान में बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में है, 10 किमी प्रति घंटे की गति से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा है। यह पुडुचेरी से लगभग 100 किमी पूर्व-उत्तरपूर्व और चेन्नई से 100 किमी दक्षिणपूर्व में अक्षांश 12.3 डिग्री उत्तर और देशांतर 80.7 डिग्री पूर्व के पास स्थित है। "यह 30 नवंबर की शाम को चक्रवाती तूफान के रूप में लगभग पश्चिम की ओर बढ़ने और पुडुचेरी के करीब कराईकल और महाबलीपुरम के बीच उत्तरी तमिलनाडु-पुडुचेरी तट को पार करने की संभावना है। हवा की गति 70-80 किमी प्रति घंटे के बीच रहने की उम्मीद है, जो 90 किमी प्रति घंटे तक बढ़ सकती है। तट के पास पहुंचने पर सिस्टम की गति में मंदी संभव है। स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है," आईएमडी ने कहा। आईएमडी ने आगे कहा कि तिरुवल्लूर से मयिलादुथुराई क्षेत्रों में हवा की गति लैंडफॉल के दौरान 70-90 किमी प्रति घंटे तक हो सकती है। रविवार को, तिरुवल्लूर से नागपट्टिनम जिलों के तटीय क्षेत्रों में 50-70 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चल सकती है। इस बीच, चक्रवात के आने के कारण तमिलनाडु के कई हिस्सों में भारी बारिश हुई। चेन्नई में, लगातार बारिश के कारण सड़कों पर पानी भरा हुआ दिखाई दिया। न्यू वाशरमैनपेट, जेमिनी फ्लाईओवर और माउंट रोड जैसे इलाकों में टखने तक पानी भरा हुआ है, जिसके कारण यातायात धीमा हो गया है और कारों और दोपहिया वाहनों सहित वाहनों के लिए मुश्किलें खड़ी हो गई हैं। चक्रवात फेंगल ने कल रात से चेन्नई में समुद्र की स्थिति खराब कर दी है, तेज़ हवाएँ चल रही हैं और लगातार बारिश हो रही है। आईएमडी ने कहा कि चेन्नई (एस-बैंड), श्रीहरिकोटा और चेन्नई (एक्स-बैंड) में डॉपलर मौसम रडार का उपयोग करके उपग्रह अवलोकनों के साथ चक्रवात पर बारीकी से नज़र रखी जा रही है।

अजमेर दरगाह मामले में विष्णु गुप्ता को मिली सिर कलम करने की धमकी

ऐसी धमकियों से डरने वाला नहीं : विष्णु गुप्ता

एजेंसी । जयपुर

हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता को शनिवार को फोन पर कथित रूप से जान से मारने की धमकियां मिली हैं। विष्णु गुप्ता ने हाल ही में अजमेर की एक स्थानीय अदालत में ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती की दरगाह को शिव मंदिर के ऊपर बनाए जाने का दावा करने को लेकर याचिका दायर की थी। यह याचिका दायर करने के बाद ही उन्हें यह धमकियां मिली हैं। वहीं, कोर्ट द्वारा इस याचिका को स्वीकार करने को लेकर भी देशभर में विवाद छिड़ गया है। इस संबंध में उन्होंने शनिवार को दिल्ली के बाराखंबा रोड थाने में शिकायत दर्ज कराई है। विष्णु गुप्ता इस समय दिल्ली में हैं। उन्होंने बताया कि उन्हें दो फोन कॉल आए जिसमें उन्हें धमकियां दी गई। पुलिस में दर्ज की गई शिकायत में विष्णु गुप्ता दावा करते हुए बताया कि फोन कॉल भारतीय नंबर से आया था, जबकि दूसरा फोन कॉल कनाडा आया था।

कोर्ट के याचिका स्वीकार करने पर छिड़ा विवाद

बता दें कि दरगाह को शिव मंदिर के ऊपर बनाए जाने का दावा करने को लेकर गुप्ता ने बीते बुधवार को अजमेर की स्थानीय अदालत में याचिका दायर की थी। अदालत ने याचिका पर अजमेर दरगाह समिति, अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय और भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI),दिल्ली को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हालांकि, इस याचिका स्वीकार करने और इस पर नोटिस जारी करने के अदालत के कदम से देशभर में विवाद छिड़ गया है।

गुप्ता को मिली सिर कलम करने की धमकी

गुप्ता ने बताया कि कनाडा से कॉल करने वाले अज्ञात व्यक्ति ने उन्हें अजमेर की अदालत में याचिका दायर करने पर सिर कलम करने की धमकी दी। गुप्ता के मुताबिक कॉल करने वाले व्यक्ति ने धमकी दी कि अजमेर दरगाह के बारे में याचिका दायर करके उन्होंने बहुत बड़ी गलती की है। इन धमकियों को लेकर गुप्ता ने यह भी कहा कि वे ऐसी धमकियों से डरने वाले नहीं हैं।

20 दिसंबर को होगी अगली सुनवाई

अजमेर की स्थानीय अदालत के इस कदम को मुस्लिम नेताओं ने सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने वाला कदम बताया है। वहीं दूसरी ओर, भाजपा नेताओं ने इस दावे का समर्थन करते हुए तर्क दिया है कि आक्रमणकारियों ने मंदिरों के ऊपर मस्जिदें बनाई थीं। इस मामले में अगली सुनवाई 20 दिसंबर को होनी हैं, जिस पर सभी की निगाहें टिकी रहेंगी।

केजरीवाल पर पदयात्रा के दौरान लिक्विड फेंका

आरोपी की समर्थकों ने पिटाई की, हिरासत में लिया

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली के ग्रेटर कैलाश इलाके में शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर एक शख्स ने लिक्विड फेंका। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में इसे स्याही तो कुछ में इसे पानी बताया जा रहा है। हालांकि, समर्थकों ने मौके पर ही आरोपी की पिटाई कर दी। दिल्ली पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया है और पूछताछ कर रही है। इससे पहले छतरपुर-नांगलोई में भी केजरीवाल के साथ ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि भाजपा नेता सभी राज्यों में हमारी रैलियां निकालते हैं, उन पर कभी हमला नहीं होता। केजरीवाल पर लगातार हमले हो रहे हैं। बीजेपी ने उन पर हमला बोला है। नांगलोई और छतरपुर में उन पर हमला हुआ। उन्होंने आगे कहा;-दिल्ली में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है और गृह मंत्री कुछ नहीं कर रहे हैं।

केजरीवाल बोले- शाह बताएं दिल्ली में अपराध कब कम होगा?

घटना से पहले अरविंद केजरीवाल ने पंचशील पार्क में कहा- दिल्लीभर में वरिष्ठ नागरिक संकट में हैं। व्यापारियों को जबरन वसूली के कॉल आ रहे हैं। शहर में गोलीबारी हो रही है। दिल्ली में अपराध बेलगाम है। मैं अमित शाह से पूछना चाहता हूं - आप इसके खिलाफ कब कार्रवाई करेंगे? जब से वे गृह मंत्री बने हैं, दिल्ली में स्थिति बद से बदतर होती चली गई है।

अक्टूबर से पदयात्रा पर हैं केजरीवाल

शराब नीति केस में 13 सितंबर को जेल से छूटने के बाद अरविंद केजरीवाल ने 17 सितंबर को दिल्ली के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद आतिशी ने 21 सितंबर को नए मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी। अक्टूबर से केजरीवाल दिल्ली में पदयात्रा कर रहे हैं। दिल्ली में फरवरी में विधानसभा चुनाव दिल्ली में विधानसभा का कार्यकाल 23 फरवरी को खत्म हो रहा है। यानी अगले साल जनवरी में किसी भी समय विधानसभा चुनाव की घोषणा हो सकती है। फरवरी में चुनाव होंगे और नई सरकार का गठन होगा। 25 अक्टूबर को भी हमला हुआ था दिल्ली की सीएम आतिशी ने 25 अक्टूबर को दावा किया था कि विकासपुरी इलाके में भाजपा के लोगों ने अरविंद केजरीवाल पर जानलेवा हमला किया। आतिशी ने कहा कि इस हमले में केजरीवाल के साथ कुछ भी हो सकता था। अगर उनके पास हथियार होते तो अरविंद केजरीवाल की जान भी जा सकती थी।

खड़गे जी को पार्टी में आपसी मतभेदों और बयानबाजी पर सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए : राहुल गांधी

एजेंसी । नई दिल्ली

कांग्रेस पार्टी वर्किंग कमिटी (CWC) की अहम बैठक बीते शुक्रवार को नई दिल्ली में हुई, जिसमें पार्टी की हाल की हार और संगठनात्मक चुनौतियों पर गहन चर्चा की गई। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पार्टी के नेताओं से कहा कि आगामी चुनावों में सफलता पाने के लिए केवल राष्ट्रीय मुद्दों पर नहीं, बल्कि राज्य स्तर के मुद्दों पर भी ध्यान देना होगा। खड़गे ने यह भी कहा कि पार्टी को अपनी कमजोरियों को सुधारते हुए, मूड को जीत में बदलने की दिशा में काम करना होगा।

विभिन्न कार्यों की जिम्मेदारी अन्य नेताओं के बीच बांट दी जानी चाहिए

बैठक में उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने एक महत्वपूर्ण बात उठाई। उन्होंने संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल के काम के बोझ को लेकर चिंता जताई और कहा कि वेणुगोपाल के कंधों पर बहुत अधिक जिम्मेदारी है। रावत ने सुझाव दिया कि पार्टी के विभिन्न कार्यों की जिम्मेदारी अन्य नेताओं के बीच बांट दी जानी चाहिए, ताकि वेणुगोपाल पर दबाव कम हो सके।

कांग्रेस पार्टी को इन नतीजों से सबक लेते हुए, संगठन में सुधार करना होगा : खड़गे

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने पार्टी की हाल की विधानसभा चुनावों में हुई हार पर प्रतिक्रिया दी और कहा कि पार्टी को इन नतीजों से सबक लेते हुए, संगठन में सुधार करना होगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनावों में मिली सफलता के बाद विधानसभा चुनावों में धक्का लगना, पार्टी के लिए एक चेतावनी है। खड़गे ने पार्टी के नेताओं से कहा कि उन्हें कठोर फैसले लेने होंगे और संगठन को मजबूत करने के लिए समर्पण से काम करना होगा।

पार्टी में बड़े बदलाव के के संकेत

इस दौरान, पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि खड़गे जी को पार्टी में आपसी मतभेदों और बयानबाजी पर सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए। इसके साथ ही, कुछ नेताओं ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ शीर्ष नेतृत्व के संवाद को बहाल करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। मोहन प्रकाश ने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी को सीधे कार्यकर्ताओं से संवाद करना चाहिए ताकि कार्यकर्ताओं को पार्टी के फैसलों में शामिल किया जा सके। इसके अलावा, खड़गे ने संकेत दिया कि पार्टी में बड़े बदलाव हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना होगा और आगामी चुनावों में सतर्कता बरतनी होगी। जीत और हार दोनों ही पार्टी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

कार्यवाही अदालत ने खारिज की मुस्लिम पक्ष की याचिका

टूटेंगी शिमला की संजौली मस्जिद की अवैध मंजिलें

एजेंसी । शिमला

हिमाचल प्रदेश में शिमला जिला अदालत ने संजौली मस्जिद में बनाई गई अवैध मंजिलों को गिराने के नगर निगम शिमला आयुक्त कोर्ट के आदेश को बरकरार रखा है। अदालत ने मुस्लिम पक्ष की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें मस्जिद की तीन अवैध मंजिलों को तोड़ने के आदेश को चुनौती दी गई थी। अदालत ने कहा है कि अवैध निर्माण के मामले में नगर निगम आयुक्त का निर्णय सही है और इसे चुनौती देना उचित नहीं होगा। इस फैसले से याचिकाकर्ता मुस्लिम पक्ष को झटका लगा है। संजौली मस्जिद पिछले कुछ समय से विवादों में रही है। मस्जिद के भीतर अवैध मंजिलों का निर्माण करने का आरोप था। इसकी तीन मंजिलों को शिमला नगर निगम ने अवैध माना और इन मंजिलों को गिराने का आदेश जारी किया था। आरोप था कि इन मंजिलों का निर्माण बिना किसी उचित अनुमति और कानूनी प्रक्रिया के हुआ था। नगर निगम आयुक्त कोर्ट के आदेश पर मस्जिद कमेटी ने मस्जिद के अवैध निर्माण को गिराने का कार्य शुरू भी कर दिया था और अब तक मस्जिद की एटिक को हटा दिया गया है।

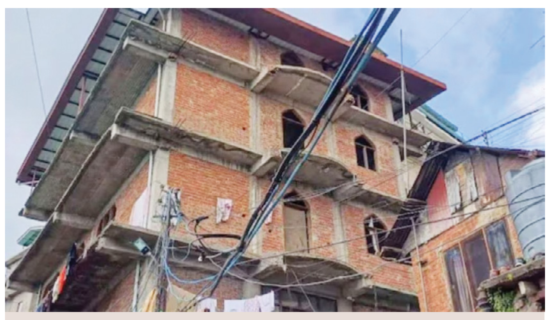

फैसले के खिलाफ दाखिल की थी याचिका

हालांकि मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी ने नगर निगम आयुक्त कोर्ट के फैसले के खिलाफ शिमला की जिला अदालत में याचिका दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने मस्जिद की अवैध मंजिलों को गिराने के आदेश को चुनौती दी थी। याचिका में संजौली मस्जिद कमेटी के अध्यक्ष मोहम्मद लतीफ की वैधता को लेकर सवाल उठाए गए। इस पर अदालत ने वक्फ बोर्ड से मस्जिद कमेटी का रिकार्ड तलब किया था। पिछली सुनवाई में वक्फ बोर्ड ने अदालत में दायर अपने शपथ पत्र में स्पष्ट किया कि वर्ष 2006 से मोहम्मद लतीफ मस्जिद कमेटी के प्रधान हैं।

बरकरार रहेगा नगर निगम आयुक्त कोर्ट का फैसला

याचिकाकर्ता मुस्लिम वैलफेयर सोसायटी के वकील विश्व भूषण ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जिला अदालत से हमारी अपील खारिज कर दी गई है और नगर निगम आयुक्त कोर्ट का फैसला बरकरार रहेगा। उन्होंने बताया कि याचिका में हमारा तर्क था कि नगर निगम कोर्ट ने जिस मस्जिद कमेटी को अवैध निर्माण तोड़ने के लिए अधिकृत किया है, वो वक्फ बोर्ड एक्ट की धारा 18 के तहत मस्जिद कमेटी की अधिकृत पदाधिकारी नहीं हैं और ना ही वे नगर निगम आयुक्त की कोर्ट में मस्जिद मामले में पेश हो सकते थे। वहीं मस्जिद कमेटी के प्रधान लतीफ ने कहा कि नगर निगम आयुक्त के आदेश पर संजौली मस्जिद की एक मंजिल तोड़ दी गई है। फिलहाल लेबर की कमी की वजह से ध्वस्तीकरण कार्य बंद है। नगर निगम कोर्ट को अवगत करवा दिया गया है कि सर्दियों में लेबर के घर चले जाने से मार्च महीने तक मस्जिद के अवैध निर्माण को तोड़ने का कार्य शुरू नहीं हो पाएगा।

RSS ने बांग्लादेश को दी नसीहत

चिन्मय कृष्णदास की गिरफ्तारी पर यूनुस सरकार को चेताया

एजेंसी । नई दिल्ली

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार और चिन्मय कृष्ण दास की गिरफ्तारी पर RSS ने बयान दिया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (RSS) ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से यह सुनिश्चित करने की शनिवार को अपील की कि हिंदुओं पर अत्याचार बंद हो। और हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास को जेल से तत्काल रिहा किया जाए। आरएसएस महासचिव दत्तात्रेय होसबाले ने एक बयान में भारत सरकार से अपील की कि वह बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर अत्याचारों को रोकने के लिए अपने प्रयास जारी रखें। साथ ही उनके प्रति समर्थन में वैश्विक राय बनाने के लिए जल्द से जल्द आवश्यक कदम उठाए।

सैंपल रेजिस्ट्रेशन सिस्टम की रिपोर्ट जारी

आरएसएस महासचिव ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं, महिलाओं और अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामी कट्टरपंथियों द्वारा किए गए हमलों, हत्याओं, लूटपाट, आगजनी और अमानवीय अत्याचार की घटनाएं अत्यंत चिंताजनक हैं और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ इसकी निंदा करता है।होसबाले ने कहा कि मौजूदा बांग्लादेश सरकार और अन्य एजेंसियां इन्हें रोकने के बजाय केवल मूकदर्शक बनी हुई हैं। आरएसएस महासचिव ने कहा कि बांग्लादेश के हिंदुओं के खिलाफ अन्याय और अत्याचार का एक नया दौर उभरता हुआ प्रतीत हो रहा है ताकि आत्मरक्षा के लिए लोकतांत्रिक तरीके से उठाई जा रही उनकी आवाज को दबाया जा सके। उन्होंने कहा कि इस तरह के शांतिपूर्ण प्रदर्शनों में हिंदुओं का नेतृत्व कर रहे इस्कॉन से जुड़े संत चिन्मय कृष्ण दास को जेल भेजना बांग्लादेश सरकार का अन्याय है।

न्यूज़ ब्रीफ

...तो इस्तीफा दें राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा EVM विवाद पर BJP की कांग्रेस को खुली

नई दिल्ली। विधानसभा चुनावों के बाद ईवीएम पर फिर से विवाद शुरू हो गया है। भाजपा ने ईवीएम की सत्यता पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस पर हमला बोला है। कांग्रेस पर तंज कसते हुए भाजपा की तरफ से कहा गया है कि अगर उन्हें ईवीएम पर भरोसा नहीं है तो राहुल गांधी और प्रियंका वाड्रा समेत कांग्रेस के सभी लोगों को इस्तीफा दे देना चाहिए और घोषणा करनी चाहिए की जब तक बैलेट पेपर से चुनाव होना शुरू नहीं हो जाते वह चुनाव नहीं लड़ेंगे। भाजपा की तरफ से की गई प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि अगर कांग्रेस नेताओं को पूर्ण विश्वास है तो वह ऐसा करने में जरा भी नहीं हिचकिचाएंगे। कांग्रेस पर हमला बोलते हुए भाटिया ने कहा कि कांग्रेस द्वारा ईवीएम पर लगाए जा रहे आरोप केवल और केवल झूटी कहानी है, कोरे शब्द हैं। इसमें कोई सच्चाई नहीं है। उन्होंने कांग्रेस से इस मुद्दे पर अदालत में जाने के लिए कहा। भाटिया ने कहा कि बिना किसी सबूत के ईवीएम पर दोष देना आसान है। अगर आपको इतना भरोसा है तो जाइए, इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट चले जाइए।

चेन्नई एयरपोर्ट बंद, पुडुचेरी में लैंडफॉल के पहले इंडिगो की कई उड़ानें रद्द

तमिलनाडु। चक्रवात फेंगल ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया है। तमिलनाडु में चक्रवात के दस्तक देने से पहले ही जारी भारी बारिश की वजह से हवाई यात्रा प्रभावित रही। चक्रवात फेंगल के आज शाम तक तमिलनाडु में प्रवेश करने की संभावना है। ऐसे में सुरक्षा के मद्देनजर चेन्नई एयरपोर्ट को शाम 7 बजे तक अस्थाई रूप से बंद कर दिया गया है। फ्लाइट में देरी और कईयों को रद्द करने की जानकारी देते हुए एयर इंडिया ने एक्स पर पोस्ट किया है। पोस्ट में अपडेट साझा करते हुए बताया गया कि खराब मौसम और भारी बारिश के कारण चेन्नई से आने-जाने वाली उड़ानें प्रभावित हो रही है। इंडिगो ने यात्रियों के लिए सलाह जारी करते हुए कहा कि ₹वर्तमान मौसम की स्थिति चेन्नई, तिरुचिरापल्ली, तूतीकोरिन, मदुरै से आने वाली उड़ानों को प्रभावित कर रही है, साथ ही अब तिरूपति-विशाखापत्तनम भी प्रभावित हैं।

'आखिरी 24 घंटे हैं तेरे पास', पप्पू यादव को फिर मिली धमकी

पटना। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गैंग की हिट लिस्ट में शामिल बिहार के पूर्णिया से निर्दलीय लोकसभा सांसद पप्पू यादव को एक और जान से मारने की धमकी मिली है। व्हाट्सएप के जरिए दी गई यह चेतावनी पाकिस्तान से जुड़े एक नंबर से आई थी, जिसमें धमकी दी गई थी कि यादव को अगले 24 घंटों के भीतर मार दिया जाएगा। संदेश भेजने वाले ने यह भी दावा किया कि उसके गार्ड भी उसकी रक्षा करने में असमर्थ होंगे। धमकी के साथ एक विस्फोट की तस्वीर भी थी। पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने कहा कि इसके पीछे क्या कारण है, वह मुझे क्यों मारना चाहता है, कौन है जो मुझे मरवाना चाहता है? कोई तो होगा जो उसे ढूंढ लेगा। इसकी जिम्मेदारी IB, RAW की है। आप (सरकार) सुरक्षा न दें, कंगना रनौत और अन्य को दें। जांच की जिम्मेदारी निभाएं, क्या हम इस देश के नागरिक नहीं हैं, क्या हम इस देश के कानून और संविधान के लिए खड़े नहीं होते हैं?